कार्तिक कृष्ण - 5 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 99 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 02-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 देश में समस्या का पर्याय बन चुकी है कांग्रेस : योगी आदित्यनाथ

6 रिश्तों की अंधी दुनिया में गुम होती किशोर पीढ़ी

7 'टाइगर 3 के लिए मेरी एशन की तैयारी कम से कम दो महीने की थी' : कैटरीना

फर्स्ट टेक

चीन का 40वां अंटार्कटिक वैज्ञानिक अभियान शुरू

शंघाई/वार्ता। चीन का 40वां अंटार्कटिक वैज्ञानिक अभियान दल पांच महीने से अधिक समय तक चलने वाले मिशन की शुरुआत करते हुए बुधवार सुबह रवाना हुआ। यह पहली बार है कि चीन का अंटार्कटिक वैज्ञानिक अनुसंधान मिशन तीन जहाजों द्वारा किया जाएगा। अनुसंधान आइसब्रेकर ज़ुएलॉन्ग और ज़ुएलॉन्ग दो या स्नो ड्रैगन और स्नो ड्रैगन दो, शंघाई से रवाना हुए, जबकि मालवाहक जहाज तियान हुई पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के झांगजीगांग से रवाना हुए।

चीन ने ताइवान की सीमा के नजदीक 43 लड़ाकू विमान और सात नौसैनिक पोत भेजे

ताइपे (ताइवान)/एपी। ताइवान ने बुधवार कहा कि चीन ने उसकी सीमा के नजदीक 43 लड़ाकू विमान और सात नौसैनिक पोत भेजे हैं। इस हालिया घटना के बाद माना जा रहा है कि चीन ताइवान पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति को लेकर नरम नहीं हुआ है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बुधवार सुबह छह बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि के दौरान चीन ने इन लड़ाकू विमानों और नौसैनिक पोत को उसकी सीमा की ओर से भेजे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 37 विमान ताइवान जलडमरूमध्य में मध्य रेखा को पार कर गए, जिसे चीन अनौपचारिक सीमा नहीं मानता। मंत्रालय ने बताया कि जबाव में ताइवान ने अपने लड़ाकू विमान और नौसैनिक पोत भेजे तथा मिसाइल प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। अगस्त 2022 में अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद से चीन आक्रामक रुख अपनाये हुये है।

बोलीविया ने इजराइल के साथ राजनयिक संबंध खत्म किए

ला पाज/एपी। बोलीविया सरकार ने गाजा पट्टी में हमास उग्रवादियों के खिलाफ इजराइली सैन्य हमले को समाप्त करने का आह्वान करते हुए मंगलवार को इजराइल के साथ राजनयिक संबंध खत्म कर दिए। बोलीविया के उप विदेश मंत्री फ्रेडी ममानी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बोलीविया ने गाजा पट्टी में जारी भीषण इजराइली सैन्य हमले की निंदा करते हुए इजराइल के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का फैसला किया है। देश के वामपंथी राष्ट्रपति लुइस अर्से लंबे समय से इज़राइल के आलोचक रहे हैं और इससे पहले 2009 में गाजा से जुड़ी लड़ाई को लेकर उन्होंने इज़राइल के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए थे।

02-11-2023	03-11-2023
सूर्यास्त 5:41 बजे	सूर्योदय 6:03 बजे

BSE	NSE
63,591.33	18,989.15
(-283.60)	(-90.45)

सोना	चांदी
6,375 रु.	78,200 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

प्याज स्तुति

मंहगाई ने आकाश छुआ,
म्यूचुअल फंडों पर गिरी गाज।
खाली जेबों को ढाँक रहा,
अब आम आदमी बचा लाज।
क्या खाएं क्या ना खाएं हम,
हो गई कोढ़ में आज खाज।
रोजी को रोटी ताक रही,
रोटी को तकता दिखे प्याज।

भारत की रक्षा में लद्दाख के योगदान को पूरा देश जानता है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारतीयों का लद्दाख के लोगों के प्रति विशेष लगाव और सम्मान है और वे राष्ट्र की रक्षा में इस केंद्र शासित प्रदेश के योगदान को भलीभांति जानते हैं।

सिंधु घाट पर राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि सिंधु नदी सभी भारतीयों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक मनोपटल में गहराई से व्याप्त है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लद्दाख के लोगों के प्रति भारत के लोगों का विशेष प्रेम और सम्मान है और वे राष्ट्र की रक्षा में लद्दाख के योगदान को जानते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस क्षेत्र के लोग अपनी बहादुरी और बुद्ध के प्रति आस्था के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का अमर और जीवंत संदेश लद्दाख के जरिये दूरस्थ देशों तक फैला।

राष्ट्रपति ने कहा कि लद्दाख में आध्यात्मिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन और पर्यावरण अनुकूल-पर्यटन के विकास की विपुल संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अरोग्य पर्यटन या स्वास्थ्य पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह खुशी की बात है कि लद्दाख में कई आदिवासी समुदायों की समृद्ध परंपराएं जीवित हैं। उन्होंने कहा कि लोग प्रकृति के प्रति स्नेह और सम्मान के बारे में जानते हैं जो आदिवासी समुदायों की कलाओं, नृत्यों, गीतों और जीवनशैली में परिलक्षित होता है। मुर्मू ने रेखांकित किया कि 'हमें पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली' के वास्ते 'आदिवासी समुदायों की जीवन शैली को संरक्षित करना चाहिए'।

विकसित भारत बनाने के लिए हमें अपना मॉडल बनाना होगा : रमेश चंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद ने कहा है कि विकसित भारत बनाने के लिए हमें अपना मॉडल विकसित करना होगा। चूंकि हमारी 60 फीसदी से ज्यादा आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है और इनमें से ज्यादातर कार्यबल खेती-किसानी और इससे जुड़े क्षेत्रों में काम कर रही है, इसलिए हमें कृषि केंद्रित विकास का मॉडल अपनाने की जरूरत है।

चंद ने 'एजेंडा फॉर रूरल इंडिया- नई दिल्ली' के राष्ट्रीय

आयोजन को बुधवार को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस मौके पर कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी त्रैमासिक पत्रिका रूरल वर्ल्ड को भी लॉन्च किया जो रूरल वॉयस का सहयोगी प्रकाशन है।

प्रो. रमेश चंद ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बावजूद कृषि का दबदबा कायम रहेगा। उन्होंने कहा,पहले ग्रामीण विकास केवल कृषि तक ही सीमित था, लेकिन अब इसका क्षेत्र बढ़ गया है। हालांकि, ग्रामीण विकास पर कृषि का वर्चस्व बरकरार रहेगा क्योंकि ग्रामीण विकास और कृषि दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इन्हें एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। उन्होंने राजधानी के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित कार्यक्रम में 'रूरल वर्ल्ड' पत्रिका लॉन्च करते हुए कहा कि पत्रिका के संपादक हरवीर सिंह द्वारा की गई यह शुरुआत अत्यंत सामयिक है।

इज़रायल ने फिर से हमास को बनाया निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलेम/वार्ता। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बुधवार को कहा कि उन्होंने गाजा पट्टी में हमास और उसके 'आतंकवादी सेल' के कमांड पॉइंट को फिर से निशाना बनाया। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर लिखा,रात भर में, संयुक्त आईडीएफ सैनिकों ने पूरे गाजा पट्टी में ऑपरेशनल कमांड सेंटर और हमास आतंकवादी सेल सहित कई आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

इजरायली सेना ने कहा कि उसने फिलिस्तीनी एक्सक्लेव के उत्तर में एक अस्पताल और सरकारी सुविधाओं के बगल में स्थित एक बहुमंजिला इमारत में हमास लड़ाकों के एक समूह की

पहचान की और उनके खिलाफ हवाई हमला किया था।

आईडीएफ सैनिकों ने गाजा पट्टी में सक्रिय बलों की ओर जा रहे एंटी-टैंक मिसाइलों से भरे एक वाहन की पहचान की। जवाब में, सैनिकों ने वाहन की ओर फायर करने के लिए एक विमान को निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि मौजूदा संघर्ष की शुरुआत में गाजा में 11 हजार से अधिक ठिकानों पर हमले किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ एक आश्चर्यजनक बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया। पड़ोसी इजरायली समुदायों के लोगों की हत्या और अपहरण कर लिया। इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए और 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले गाजा पट्टी की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया, पानी, भोजन और ईंधन की आपूर्ति काट दी।

इजरायल-गाजा युद्ध से अरब जगत क्षेत्र के रसातल में डूबने का डर!

वाशिंगटन/वार्ता/स्पूतनिक। फिलिस्तीनी शांति सलाहकार हिबा हुसैनी ने कहा है कि अरब जगत अभूतपूर्व स्तर के राजनीतिक संकट के बीच में है और डर है कि इजरायल-गाजा संघर्ष इस क्षेत्र को और समस्याओं में डाल सकता है।

हुसैनी ने स्पूतनिक को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अरब जगत अभूतपूर्व स्तर के राजनीतिक संकट में है, जो 1948 के नकबा के बाद से कभी नहीं देखा गया। अरब शासन अभी तक अंतिम गेम पर कोई स्थिति नहीं बना सका है। हालांकि, एक सामंजस्यपूर्ण स्वर और संदेश है कि यह युद्ध हमें एक गहरे ब्लैक होल में ले जा सकता है। संबंध बहुत तनावपूर्ण हैं।

हुसैनी ने कहा कि दीर्घकालिक राजनीतिक समाधान होने तक गाजा संघर्ष को हल करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए, जिसमें बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम, फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय स्थितियों में सुधार और इमारतों, घरों, पूजा स्थलों एवं विशेष रूप से, गाजा में अस्पताल तथा चिकित्सा देखभाल सुविधाओं को समाप्त करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इजरायल को वेस्ट बैंक में इजरायली विशेष बलों की घुसपैठ, वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा और फिलिस्तीनियों के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध को रोकना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर अचानक बड़े पैमाने पर हमला किया। इसके तुरंत बाद, इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए और गाजा पट्टी की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया। पिछले हफ्ते, इज़रायल ने गाजा पर अपना जमीनी आक्रमण शुरू किया, जिसे सरकार ने हमास के खिलाफ हमले का 'दूसरा चरण' कहा। इजरायल व हमास के बीच जारी सघर्ष में अब तक 10,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा है कि गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 8,500 से अधिक हो गई है और 21 हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं। इजरायल में मरने वालों की संख्या 1,500 से अधिक हो गई है।

निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहे हैं भारत-बांग्लादेश संबंध : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बांग्लादेश की अपनी समकक्ष शेख हसीना के साथ डिजिटल माध्यम से तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि दोनों देशों के संबंध निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहे हैं तथा पिछले नौ वर्षों में दोनों ने मिलकर जितना काम किया है, उतना काम कई दशकों में भी नहीं हुआ।

मोदी और हसीना ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया उनमें त्रिपुरा के निश्चिंतपुर और बांग्लादेश के गंगासागर के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क, 65 किलोमीटर लंबी खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन और बांग्लादेश के रामपाल में 'मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट' की दूसरी इकाई शामिल हैं।

करीब 15 किलोमीटर लंबे अगरतला-अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल संपर्क से सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और ढाका के रास्ते अगरतला तथा कोलकाता के बीच यात्रा के समय में काफी कमी आएगी।

मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हसीना के साथ बातचीत में कहा, ''यह खुशी की बात है कि हम भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक बार फिर जुड़े हैं।''उन्होंने कहा, ''हमारे संबंध निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में हमने मिलकर जितना काम किया है, उतना काम कई दशकों में भी नहीं हुआ था।'' हसीना ने कहा कि तीनों परियोजनाएं दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग को और मजबूत करेंगी।उन्होंने कहा, ''इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का संयुक्त उद्घाटन दिखाता है कि हमारे बीच दोस्ती और सहयोग का मजबूत बंधन है... मैं सितंबर में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए मेरी यात्रा के दौरान गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद भी देती हूं।''

मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता की बहाली के लिए दोनों देशों के बीच दशकों से लंबित, जमीन सीमा समझौता किया गया और समुद्री सीमा संबंधी मामलों को भी सुलझाया गया।

मराठा आरक्षण आंदोलन:

अब तक 141 मामले दर्ज, 168 गिरफ्तार

मुंबई/छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हिंसा के संबंध में अब तक 141 मामले दर्ज कर चुकी है और 168 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश सेठ ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीड जिले में हुई हिंसा के बारे में उन्होंने बताया कि 24 से 31 अक्टूबर के बीच 20 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से सात मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत दर्ज किए गए। सेठ ने दक्षिण मुंबई में राज्य पुलिस मुख्यालय में मीडियाकर्मियों को बताया कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बीड जिले में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की एक कंपनी तैनात की गई है और छत्रपति संभाजी नगर (ग्रामीण), जालना और बीड में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

ईडी ने जेट संस्थापक नरेश गोयल, अन्य की 538 करोड़ की संपत्तियां जब्त कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कहा कि कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल, उनके परिजनों और कंपनियों की लंदन, दुबई और भारत में करीब 538 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

कुर्क की गई संपत्तियों में 17 फ्लैट, बंगले और वाणिज्यिक परिसर शामिल हैं।

संघीय एजेंसी ने एक बयान में

कहा कि लंदन, दुबई और भारत के विभिन्न शहरों में स्थित ये संपत्तियां जेट एयर प्राइवेट लिमिटेड और जेट एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड जैसी विभिन्न कंपनियों, गोयल, उनकी पत्नी अनीता और बेटे निवान के नाम पर हैं।

ईडी ने कहा कि कुर्क की कई संपत्तियों की कुल कीमत 538.05 करोड़ रुपये है।

ईडी ने गोयल (74) को एक सितंबर को गिरफ्तार किया था और एजेंसी ने मंगलवार को मुंबई में विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। वह मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद हैं।

जेट एयरवेज ने नकदी संकट के बाद अप्रैल 2019 में अपना परिचालन बंद कर दिया था। बाद में, गोयल ने एयरलाइन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

श्रद्धा, उत्साह के साथ मनाया गया करवाचौथ का त्योहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। पति-पत्नी के बीच श्रद्धा, प्रेम और समर्पण का त्योहार करवाचौथ बुधवार को देश के विभिन्न हिस्सों में उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान बाजारों और मंदिरों में विशेष गहमागहमी देखी गयी और सुहागनों ने पति की दीर्घायु की कामना के लिए निर्जल उपवास रखा।

इस त्योहार में व्रती महिलायें रात में चंद्रोदय के बाद चांद और पति का दीदार कर करवे (विशेष पात्र) से अर्घ्य देती हैं और उपवास तोड़ती हैं। इस अवसर पर पुरुष अपनी ओर से पत्नी को सुंदर उपहार भेंट करते हैं।

बदलते समय में गत कई वर्षों से देश भर में बड़ी संख्या में पुरुषों ने पत्नियों की दीर्घायु, आरोग्यता एवं परिवार के मंगल के लिए पत्नी की भाँति करवा चौथ पर उपवास रखना शुरू कर दिया है।

सोशल मीडिया पर दिन भर करवाचौथ की चर्चा छायी रही। केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने राजधानी के ग्रेटर कैलाश में व्यापारी कल्याण समिति की ओर से आयोजित करवाचौथ समारोह में शामिल हुईं और उन्होंने एक्स पर इसके चित्र पोस्ट किये। उन्होंने कहा सब बहनों को करवाचौथ की बधाई।

डॉ रिचा राजपूत नाम की एक उपयोगकर्ता ने एक्स पर 'एक करवाचौथ इनका भी' शीर्षक पोस्ट में एक सार्वजनिक स्थान पर ड्यूटी दे रही महिला पुलिस कर्मियों की एक फोटो साझा की जिसमें सड़क किनारे ईंट पर बैठी एक महिला पुलिसकर्मी कुर्सी पर बैठी साथी पुलिसकर्मी को मेंहदी लगा रही है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पत्नी के साथ करवाचौथ की फोटो डाली और एक शेर लिखा। इस त्योहार के लिये महिलाओं ने कई दिन पहले से खरीदारी शुरू कर दी थी। अधिकतर महिलायें करवाचौथ पर पूजा के लिए तैयार होने से पहले ब्यूटी पार्लर जाती हैं और मेंहदी लगवाती हैं।

करवाचौथ महिलाओं की खरीदारी बढ़ जाती है और श्रृंगार सहित तमाम सामानों की खूब बिक्री होती है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज ने अपनी मां की तस्वीर के साथ करवाचौथ की मंगल कामना पोस्ट की।

दिल्ली, काशी, लखनऊ , चंडीगढ़ और कई अन्य शहरों में कई सामाजिक संगठनों ने करवाचौथ पर विशेष समारोह आयोजित किये थे।

आतंकी हमलों के मद्देनजर कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाई गई

श्रीनगर/भाषा। घाटी में आतंकवादी हमले के हालिया मामलों के मद्देनजर पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि हालिया आतंकी हमलों में एक पुलिसकर्मी और एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने घाटी के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ यहां शहर के कई हिस्सों में वाहनों और आने-जाने वाले लोगों की जांच और तलाशी भी तेज कर दी है। शहर के सभी मुख्य चौराहों, सभी प्रवेश व निकास स्थानों, जिला मुख्यालय जाने वाली प्रमुख सड़कों पर नाकाबंदी और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कर्मियों को संवेदनशील स्थानों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक आबादी वाले क्षेत्रों के आस-पास तैनात किया गया है।उन्होंने कहा कि सुरक्षाबल उन इलाकों में रात के वक्त भी कड़ी नजर रखे हुए हैं, जहां प्रवासी मजदूर रहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ज्यादातर प्रवासी मजदूर ठंडे मौसम की वजह से घाटी छोड़कर जा चुके हैं, हालांकि कुछ मजदूर अभी भी बस्तियों में रह रहे हैं।

सेना प्रमुख ने सियाचिन आधार शिविर, अग्रिम चौकियों का दौरा किया

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बुधवार को सियाचिन आधार शिविर और अग्रिम चौकियों का दौरा कर वहां परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि जनरल पांडे मंगलवार को लेह पहुंचे थे। काराकोरम पर्वत शृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर को दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्य क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। सर्दियों के दौरान ग्लेशियर पर हिमस्खलन और भूस्खलन का खतरा तो बना ही रहता है, तापमान भी शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। एक रक्षा सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सेना प्रमुख ने आज सियाचिन आधार शिविर और अग्रिम चौकियों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि दौरे के दौरान उन्होंने परिचालन तैयारियों की भी समीक्षा की।

दुनियाभर में लक्जरी घरों की कीमत वृद्धि के मामले में मुंबई चौथे स्थान पर

नई दिल्ली/भाषा। लक्जरी आवासीय संपत्तियों की कीमत वृद्धि के मामले में दुनियाभर के 46 शहरों में मुंबई चौथे स्थान पर रहा है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। नाइट फ्रैंक इंडिया ने बुधवार को '2023 की तीसरी तिमाही के लिए प्रमुख वैश्विक शहर सूचकांक' जारी करते हुए कहा कि मुंबई, बेंगलूरु और नई दिल्ली में प्रमुख आवासीय या लक्जरी घरों की औसत कीमत में जुलाई-सितंबर तिमाही में वृद्धि हुई है। नाइट फ्रैंक ने कहा, मुंबई ने 2023 की तीसरी तिमाही में प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में चौथी सबसे अधिक सालाना वृद्धि दर्ज की। इससे मुंबई ने 6.5% की वृद्धि के साथ पिछले साल की समान तिमाही में 22वें स्थान से 18 स्थान की छलांग लगाई है। सूचकांक में नई दिल्ली और बेंगलूरु ने भी वृद्धि की है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र 4.1% वृद्धि के साथ सूचकांक में 10वें स्थान पर पहुंच गया जबकि पिछले साल समान तिमाही में यह 36वें स्थान पर था।

समलैंगिक विवाह पर 17 अक्टूबर के फैसले की समीक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर उसके 17 अक्टूबर के उस फैसले की समीक्षा का अनुरोध किया गया है, जिसमें समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकर्ताओं में से एक उदित सूद द्वारा समीक्षा याचिका शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में दायर की गई है। उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 17 अक्टूबर को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने यह भी कहा था कि इस बारे में कानून बनाने का काम संसद का है। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिए जाने का अनुरोध करने संबंधी 21 याचिकाओं पर संविधान पीठ ने सुनवाई की थी। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि समलैंगिक समुदाय के साथ भेदभाव नहीं किया जाए।

जम्मू-कश्मीर : डीजीपी सिंह के कार्यकाल में मारे गए करीब एक हजार आतंकवादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह के कार्यकाल के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में करीब एक हजार से अधिक आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में सबसे लंबे समय तक डीजीपी रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले दिलबाग सिंह मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने सात सितंबर 2018 को बतौर डीजीपी कार्यभार ऐसे समय संभाला जब स्थितियां चुनौतियों से भरी थी।उन्होंने बताया कि सिंह के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन सहित विभिन्न चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया।

अधिकारियों के मुताबिक, '' सिंह के कार्यकाल के दौरान 1,055 आतंकवादी मारे गए, 58 ने आत्मसमर्पण किया और 1,448 आतंकवादी समर्थकों को गिरफ्तार किया गया।'' इस अवधि के दौरान, बल को एक अशोक चक्र, तीन कीर्ति चक्र, 13 शौर्य चक्र और 887 पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सिंह के कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव आया। उन्होंने बताया, ''पिछले 3 दशकों के दौरान पहली बार, कोई बंद का आह्वान नहीं किया गया और न ही हड़ताल की गई। शिक्षा और व्यवसाय को बाधित नहीं किया और लोग सामान्य जीवन जी रहे हैं और केंद्र शासित प्रदेश में कई अच्छी चीजें हो रही हैं।''

सूचनाओं के आदान-प्रदान से बना नेटवर्क लगाएगा तस्करी पर लगाम: डीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के प्रधान महानिदेशक एम के सिंह ने बुधवार को कहा कि देशों के बीच सूचना के आदान-प्रदान से बनने वाला 'नेटवर्क' तस्करी एवं गैरकानूनी कारोबार के 'अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क' से लड़ने का एकमात्र स्थायी उपाय है।

प्रवर्तन मामलों में सहयोग पर आयोजित डीआरआई के तीन दिन के वैश्विक सम्मेलन के अंत में 40 से अधिक देशों के अधिकारियों ने सीमापार अपराधों के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि प्रतिभागियों ने कार्रवाई-योग्य खुफिया जानकारी को समय पर साझा करने की अहमियत पर आम सहमति जताई। इसमें सीमा-शुल्क प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच एक मजबूत नेटवर्क बनाने पर जोर दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सम्मेलन में इन अपराधों के खिलाफ प्रवर्तन की दिशा में अधिक सहयोग के लिए संबंधित स्थानीय कानूनों के अधीन मौजूदा द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यवस्था का फायदा उठाने की जरूरत पर बल दिया गया।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू जमानत पर रिहा होने के बाद घर पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू कौशल विकास निगम घोटाला मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद बुधवार तड़के यहां उंदावल्ली स्थित अपने घर पहुंचे।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजामहेंद्रवरम जेल से 13 घंटे की लंबी यात्रा के बाद सुबह लगभग छह बजे अपने घर पहुंचे, जहां परिवार के सदस्यों और पार्टी समर्थकों ने उनका स्वागत किया। तेदेपा प्रमुख ने बाद में पत्नी एन भुवनेश्वरी और रिश्तेदारों के साथ प्रार्थना में भाग लिया। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने मंगलवार को स्वास्थ्य आधार पर नायडू को चार सप्ताह की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दी थी। नायडू का काफिला मंगलवार शाम करीब पांच बजे पूर्वी गोदावरी जिले के राजामहेंद्रवरम से निकला। गुंटूर जिले के उंदावल्ली के रास्ते में उनके सैकड़ों समर्थक सड़क के किनारे इक्ट्ठा हुये थे। बड़ी संख्या में समर्थकों के जुटे होने के कारण उनकी यात्रा के शुरुआती मार्ग में लगभग पांच किलोमीटर तक जाम रहा। तेदेपा के कई नेता भी उनके काफिले के साथ रहे।

उत्तर भारत में दलितों पर हो रहे हमले, राजग की सार्वजनिक उपक्रमों की बेचने की बकवास नीति : केसीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतुपल्ली (तेलंगाना)/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की एलआईसी सहित सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करने की बकवास नीति है। सतुपल्ली में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री राव (जिन्हें केसीआर के नाम से भी जाना जाता है) ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारत के राज्यों में और यहां तक प्रधानमंत्री मोदी के गृह राज्य (गुजरात) में दलितों पर हमले सहित उनकी दयनीय स्थिति को देख कर उनकी सरकार ने तेलंगाना में 'दलित बंधु' योजना बनाई।

केसीआर ने विश्वास जताया कि ''चाहे कुछ भी हो'30 नवंबर के विधानसभा चुनाव के बाद बीआरएस सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो वे कल्याणकारी योजनाओं को खत्म कर देगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता कृषि के बारे में नहीं जानते हैं और केवल किसी अन्य का लिखा हुआ भाषण पढ़ते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''केंद्र में निजीकरण की बकवास नीति है। हर चीज का निजीकरण किया जा रहा है। वह एलआईसी भी बेच रहे हैं। रेलवे व हवाई अड्डों का भी निजीकरण किया है। उसी बकवास नीति के तहत अब बिजली क्षेत्र का भी निजीकरण करना चाहते हैं लेकिन तेलंगाना में हम इसे सरकार के अधीन रखे हुए हैं।''उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कृषि पंपिंग सेट पर मीटर लगाना चाहती है जबकि बीआरएस सरकार ने प्रति वर्ष 5,000 करोड़ रु. के नुकसान के बावजूद इसकी अनुमति नहीं दी है। तेलंगाना में शुरू 'दलित बंधु' योजना के तहत समुदाय के व्यक्ति को कोई कारोबार शुरू करने के लिए सरकार 10 लाख रु. की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। योजना का संदर्भ देते हुए केसीआर ने कहा कि अब भी उत्तर भारत के कुछ राज्यों और गुजरात में दलितों के खिलाफ हमले हो रहे हैं, जिसने उनकी सरकार को अजा के लोगों को मदद प्रदान करने के लिए योजना लागू करने को प्रेरित किया।

एयरटेल के सीईओ ने शुल्क दरों में बढ़ोतरी की वकालत की

नई दिल्ली/भाषा। देश की दूसरी बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल ने बुधवार को कहा कि उद्योग को व्यवहार्य बनाने के लिए शुल्क दरों में बढ़ोतरी करने की जरूरत है। विट्टल ने दूसरी तिमाही के नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि भारत में दूरसंचार शुल्क कम हैं और इनमें बढ़ोतरी करने की जरूरत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एयरटेल 5जी सेवाओं का शुल्क बढ़ाने के पक्ष में नहीं है और वह सभी खंडों में शुल्क बढ़ोतरी की पहल जारी रखेगी।उन्होंने कहा, ''हम सबसे किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवा के पक्ष में हैं। हम यह भी समझते हैं कि ग्राहकों के अलग-अलग खंड की जरूरतें अलग हैं और एक ही शुल्क ढांचा सब पर लागू नहीं होता है।''

एयरटेल के शीर्ष अधिकारी ने कहा, ''दूरसंचार उद्योग के लिए निवेश जारी रखने और भारत के डिजिटल दृष्टिकोण को साकार करने के लिए इसका व्यवहार्य होना जरूरी है और इसके लिए बहीखाते का इस्तेमाल करना टिकाऊ समाधान नहीं है।'' दूरसंचार उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धा के साथ किफायती शुल्क एवं वित्तीय व्यवहार्यता का होना भी जरूरी है। शुल्क दरों में वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर विट्टल ने कहा, ''सवाल यह नहीं कि क्या ऐसा होगा। सवाल है कि शुल्क कब बढ़ेगा। जियो के आने के बाद 2 बार दरों में बढ़ोतरी हो चुकी है उम्मीद है कि आने वाले समय में भी ऐसा होगा।''

मुर्मू के आदिवासी होने के कारण उन्हें संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुकमा (छत्तीसगढ़)/भाषा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर बुधवार को आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को संसद भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में इसलिए नहीं बुलाया गया क्योंकि वह 'अछूत' जाति से हैं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई संसद का उद्घाटन इसलिए नहीं कराया गया क्योंकि वह आदिवासी हैं।

खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं चाहते कि सत्ता गरीबों के हाथ में जाए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों की जल-जंगल-जमीन की रक्षा की लड़ाई में हमेशा उनका समर्थन किया है। राज्य के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के सुकमा जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी हमेशा कहती है कि उन्होंने आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया। लेकिन आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद भवन के उद्घाटन में नहीं बुलाया। उसका शिलान्यास हुआ तब तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया क्योंकि वह अछूत थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उद्घाटन के समय नहीं बुलाया क्योंकि वह आदिवासी हैं। वह उनके हाथ से उद्घाटन करना नहीं चाहते थे।'उन्होंने कहा, 'वह (भाजपा के नेता) कहते हैं कि उन्होंने आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया लेकिन उन्हें कोई भी इमारत का शिलान्यास करने का मौका नहीं मिला।' खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को आजाद कराया और बाबा साहब आंबेडकर ने संविधान का निर्माण किया।उन्होंने देश के विकास में कांग्रेस के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, देश जब आजाद हुआ तब स्कूल व कॉलेज का निर्माण हुआ। बैंक नहीं थे, उद्योग नहीं था। आज जो भी है उसमें सबसे बड़ा योगदान कांग्रेस का है और भाजपा तथा प्रधानमंत्री मोदी पूछते हैं कि कांग्रेस ने क्या किया।उन्होंने कहा, 'हमने देश के लिए कुछ किया है इसलिए हम वोट मांग रहे हैं। इस देश के नागरिकों की भलाई की है इसलिए हम वोट मांग रहे हैं। इस देश की आजादी के लिए कांग्रेस पार्टी के लोग सूली पर चढ़े इसलिए हम वोट मांग रहे हैं।'

खरगे ने कहा कि वह सिर्फ वोट मांगने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के अलावा (आदिवासी) समुदाय, संविधान, लोकतंत्र और देश की रक्षा भी करनी है। छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में सात और 17 नवंबर को मतदान होगा। बस्तर क्षेत्र की 12 विधानसभा सीटें उन 20 सीटों में शामिल है जहां सात नवंबर को मतदान होगा।

मराठा आरक्षण आंदोलन: नागपुर मे फडणवीस के आवास पर सुरक्षा बढ़ाई गई

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर राज्य के कुछ हिस्सों में चल रहे आंदोलनों को देखते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने धरमपेठ इलाके के त्रिकोणी पार्क में फडणवीस के आवास पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी। अधिकारी के अनुसार, उपायुक्त ने आदेश दिया कि मराठा आरक्षण आंदोलन को देखते हुए आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी जाए। नागपुर, भाजपा के नेता फडणवीस का गृहक्षेत्र है। राज्य के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों में हिंसा की घटनाएं देखी गई हैं। मराठवाड़ा के पांच जिलों में सरकारी बस सेवाएं पूरी तरह से निलंबित कर दी गई हैं। वहीं, बीड के कुछ हिस्सों में सोमवार को कर्फ्यू लगाकर इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है, जहां प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं के घरों को निशाना बनाया था।

मराठा समुदाय को आरक्षण अन्य समुदायों के कोटा को छुए बिना दिया जाएगा : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बुधवार को हुई सर्वदलीय बैठक में फैसला किया गया कि राज्य में अन्य समुदायों को दिये जा रहे वर्तमान आरक्षण में छेड़छड़ किए बिना मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाना चाहिए। यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए शिंदे ने कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अपील की कि वह अपना अनशन समाप्त कर दें और सरकार को कुछ समय दें। जरांगे 25 अक्टूबर से अनशन पर हैं।

शिंदे ने कहा, ''सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से फैसला किया गया कि मौजूदा समय में जिन समुदायों को आरक्षण मिल रहा है, उनमें छेड़छाड़ किए बिना मराठा समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश की जानी चाहिए। मैं मनोज जरांगे से अनुरोध करता हूं कि वह अनशन समाप्त कर दें और सरकार से सहयोग करें। राज्य को उच्चतम न्यायालय में दाखिल करने के लिए उपचारात्मक याचिका तैयार करने में समय की जरूरत है।'' सरकार दो मोर्चों पर काम कर रही है, पहला मराठवाड़ा में मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र (ताकि अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण का लाभ ले सके) जारी कर रही है व दूसरा शीर्ष न्यायालय में दाखिल करने को त्रुटि रहित उपचारात्मक याचिका तैयार कर रही है।

मराठा आरक्षण: मुंबई-बेंगलूरु राजमार्ग अवरुद्ध करने को लेकर 500 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पुणे पुलिस ने मुंबई-बेंगलूरु राजमार्ग को अवरुद्ध करने और टायर जलाने के आरोप में मराठा आरक्षण का समर्थन करने वाले संगठनों के लगभग 500 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मराठों को आरक्षण देने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार दोपहर सवा 12 बजे से पौने तीन बजे के बीच पुणे शहर में नवले पुल के पास राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था और टायर जलाए थे।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने मराठा क्रांति मोर्चा और सकल मराठा मोर्चा के 400 से 500 कार्यकर्ताओं के खिलाफ दूसरों के जीवन को खतरे में डालने और यात्रियों में भय फैलाने सहित विभिन्न आरोपों में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि कार्यकर्ताओं पर भारतीय दंड संहिता, महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम और आपराधिक विधि (संशोधित) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा या कांग्रेस को वोट देने का मतलब 'अराजकता और पिछड़ापन': ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि भाजपा या कांग्रेस को वोट देने का मतलब अराजकता और पिछड़ेपन के लिए मतदान करना है।उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा और कांग्रेस शासित राज्यों में कर्फ्यू तथा इंटरनेट पर रोक की घटनाएं इतनी अधिक होती हैं कि लोग न तो काम पर जा सकते हैं और न ही घर से काम कर सकते हैं। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा, भाजपा और कांग्रेस शासित राज्यों में कर्फ्यू तथा इंटरनेट पर रोक की घटनाएं इतनी बार होती हैं कि आप न तो काम पर जा सकते हैं और न ही घर से काम कर सकते हैं। भाजपा-कांग्रेस के लिए वोट अराजकता और पिछड़ेपन के लिए वोट है। इंटरनेट कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के मामले में तेलंगाना देश में शीर्ष पर है।

विजयवर्गीय ने पर्चा भरते वक्त दो गंभीर मुकदमों की जानकारी "छिपाई" : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दुष्कर्म और मानहानि के गंभीर इल्जामों से जुड़े दो अलग-अलग लम्बित अदालती मुकदमों की जानकारी इंदौर-1 सीट से भरे नामांकन में जानबूझकर नहीं दी है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि वह राज्य में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में विजयवर्गीय की उम्मीदवारी को चुनौती देने के लिए शीर्ष न्यायालय तक कानूनी लड़ाई लड़ेगी। भाजपा का कहना है कि ''मुद्दाविहीन'' कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में अपनी घोर पराजय का पूर्वाभास हो गया है, इसलिए वह भाजपा उम्मीदवारों पर घटिया आरोप लगाने पर उतर आई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह सपरा ने इंदौर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता कनक तिवारी ने दुर्ग की एक अदालत में 1999 में विजयवर्गीय के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था और भाजपा महासचिव के नाम जारी विभिन्न समन और वारंट की तामील नहीं होने पर अदालत ने उन्हें इस मामले में 2019 से ''फरार'' घोषित कर रखा है।उन्होंने दावा किया कि विजयवर्गीय और दो अन्य लोगों के खिलाफ पश्चिम बंगाल के अलीपुर की एक अदालत में एक महिला द्वारा दुष्कर्म के आरोप में दायर मामला भी लम्बित है। सपरा ने आरोप लगाया कि विजयवर्गीय ने इंदौर-1 से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर दायर हलफनामे में दुर्ग और अलीपुर की अदालतों में लम्बित दोनों मामलों की जानकारी जानबूझकर छिपाई और इससे राजनीतिक नैतिकता को लेकर भाजपा के दावों की पोल खुल जाती है। कांग्रेस प्रवक्ता ने दावा किया कि विजयवर्गीय द्वारा दोनों मुकदमों की जानकारी छिपाए जाने पर इंदौर-1 से कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला की आपत्ति को सत्तारूढ़ भाजपा के ''दबाव'' के चलते जिला निर्वाचन कार्यालय ने खारिज कर दिया। सपरा ने कहा,कांग्रेस विजयवर्गीय की उम्मीदवारी के खिलाफ केंद्रीय निर्वाचन आयोग से लेकर उच्चतम न्यायालय तक कानूनी लड़ाई लड़ेगी। हम इस मामले को चुनावों में जनता की अदालत में भी ले जाएंगे।

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता गोविंद मालू ने कहा,''कांग्रेस के पास विधानसभा चुनावों में कोई भी मुद्दा नहीं है। वह चुनावों में अपनी घोर पराजय का पूर्वाभास होते ही भाजपा उम्मीदवारों पर घटिया आरोप लगाने पर उतर आई है।''

भाजपा सरकार विपक्षी दलों को डराने-धमकाने के लिए आईटी, ईडी का इस्तेमाल कर रही है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर छापेमारी शुरू करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का कथित तौर पर दुरुपयोग करके विपक्षी दलों को डराने-धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की आलोचना करने वाली पार्टियों को डराया जा रहा है और नवीनतम घटना फोन टैपिंग है।

स्टालिन ने यहां पार्टी विधायक ए. कृष्णास्वामी की बेटी की शादी के बाद कहा, जो भी केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त करता है, उसे डराया-धमकाया जाता है। उनके खिलाफ आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल किया जाता है। अब हमारे सामने आईफोन निर्माता एप्पल इंक द्वारा विपक्षी नेताओं को एक सुरक्षा चेतावनी संदेश जारी करने का फोन टैपिंग प्रकरण भी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा चेतावनी संदेश के बाद एक केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा को पांच राज्यों के चुनावों में हार का डर सता रहा है। हमें मिली जानकारी के मुताबिक पांचों राज्यों में भाजपा को पूरी तरह से हार का सामना करना पड़ेगा। इसलिए हार के डर से केंद्र सरकार विपक्षी दलों पर निशाना साध रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी 'गठबंधन इंडिया' भाजपा की खामियों को उजागर करेगा और लोकसभा चुनाव में उसकी हार सुनिश्चित करेगा। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने और अगले साल संसदीय चुनावों में गठबंधन की भारी जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

रन फॉर यूनिटी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस संबंध में पार्कटाउन प्रधान डाकघर में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौड़ में पार्कटाउन प्रधान डाकघर के कर्मचारियों ने भाग लिया। रैली पार्कटाउन हेड पोस्ट ऑफिस के मुख्य प्रवेश द्वार से शुरू हुई और सरकारी नर्सिंग हॉस्टल और सरकारी डेंटल कॉलेज से होकर गुजरी और पार्कटाउन पोस्ट ऑफिस पर समाप्त हुई। आधुनिक भारत के निर्माण में श्री सरदार पटेल के योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इस रैली का आयोजन किया गया था।

भाजपा तमिलनाडु में जनविरोधी गतिविधियों में शामिल है : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को कहा कि भाजपा राजनीति के नाम पर तमिलनाडु में जनविरोधी गतिविधियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि भाजपा ''तत्काल राजनीति'' कर रही है और उसके पास राजनीति करने का धैर्य नहीं है।

उदयनिधि ने एक बयान में कहा कि भाजपा आज नफरत फैलाना चाहती है और कल सत्ता में आना चाहती है। उन्होंने अपनी फर्जी राजनीतिक यात्रा में असामाजिक तत्वों को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा तमिलनाडु में समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि भड़काऊ भाषणों, विवादों, जाति और धार्मिक मुद्दों और अन्य चीजों को भड़काकर, भाजपा साफ पानी में कचरा फेंकने और उसे प्रदूषित करने की कोशिश कर रही है और फिर वह अशांत पानी में मछली पकड़ने की कोशिश कर रही है।

तमिलनाडु सरकार ने सभी मीडिया प्लेटफार्मों पर समाचारों की सत्यता के लिए फैक्ट चेक यूनिट का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सभी मीडिया प्लेटफार्मों पर राज्य सरकार से संबंधित जानकारी की प्रामाणिकता की जांच करने के लिए विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग के तहत एक तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) का गठन किया है।

इकाई तमिलनाडु की घोषणाओं, नीतियों, योजनाओं, दिशानिर्देशों और पहलों से संबंधित जानकारी की सत्यता की जांच करेगी। यह सरकार से संबंधित फर्जी खबरों, गलत/दुष्प्रचार और नफरत भरे भाषण के लिए सरकार की आधिकारिक तथ्य जांच इकाई होगी।

राज्य सूचना विभाग द्वारा जारी जीओ में कहा गया है कि एफसीयू का उद्देश्य फर्जी समाचार और गलत सूचना के अपराधियों/निर्माताओं और प्रसारकों के लिए निवारक के रूप में कार्य करेगा। सरकार ने तथ्य जांचने वाली वेबसाइट Youturn.in के संपादक इयान कार्तिकेयन को इस मिशन निदेशक नियुक्त किया है।

आज भी कुछ ट्रेनें हुई रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन में कंटकपल्ली - अलामंदा सेक्शन के बीच यात्री ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने और रेक की कमी के कारण ट्रेन सेवाओं में बदलाव किया गया है।

ट्रेन नंबर 22808 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - संतरागाछी सुपरफास्ट एसी एक्सप्रेस 02 नवंबर को सुबह 08.10 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से प्रस्थान करने वाली ट्रेन परिचालन कारणों से पूरी तरह से रद्द कर दी गई है।

ट्रेन नंबर 22888 एसएमवीटी बेंगलूरु - हावड़ा हमसफर एक्सप्रेस जो 2 नवम्बर को सुबह 10.15 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से छूटने वाली पूरी तरह से रद्द है। वहीं ट्रेन नंबर 12864 एसएमवीटी बेंगलूरु - हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (जोलारपेट्टई, काटपाडी के माध्यम से) 02 नवंबर को 10.35 बजे छूटती है को रद्द कर दिया गया है।

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया ने किया स्केटिंग खिलाड़ी विश्वनाथन का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अरुंबकम् स्थित शाखा में स्केटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सत्रह वर्षीय अविक्षित विजय विश्वनाथन के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक के ग्राहकों के साथ बैंक के वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी बड़ी संख्या उपस्थित रहे।

अविक्षित विजय विश्वनाथन ने चीन में आयोजित 19वीं एशियाई रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने सौ मीटर रोड रेस में स्वर्ण पदक दो सौ मीटर ड्यूल टाइम ट्रायल में रजत पदक तथा रोडवन लैप में कांस्य पदक प्राप्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने सभी व्यक्तिगत प्रति स्पर्धाओं में पोडियम फिनिश हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। एशियाई खेलों में स्केटिंग जैसे खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त करना न केवल उनके लिए बल्कि देश के लिए भी एक शानदार मील का पत्थर साबित हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है जब एशियाई चैंपियनशिप खेलों में स्पीड स्केटिंग कार्यक्रम में भारत का राष्ट्रगान बजाया गया है। इस सम्मान समारोह में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख संतोष कुमार श्रीवास्तव ने अविक्षित विजय विश्वनाथन को माला, शॉल एवम स्मृतिचिन्ह भेटकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हम अविक्षित विजय विश्वनाथन को अपने ग्राहक परिवार का हिस्सा बनकर बहुत खुश है उन्होंने कहा कि अविक्षित की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब प्रतिभा, अवसर और महत्वाकांक्षा एक साथ हो तब कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक तथा पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व कार्यकारी निदेशक रघुरामन भी उपस्थित थे उन्होंने स्केटिंग के उभरते हुए खिलाड़ी को अपनी शुभकामनाएं दी। सीएफबी शाखा के सहायक प्रबंधक मुरली ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन आंचलिक कार्यालय के मुख्य प्रबंधक हितेंद्र धूमल ने किया।

गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां मासीकापाल्यम् में बुधवार को सुबह भाजपा के जिला अध्यक्ष उत्तम बालाजी रामस्वामी और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. कनकसभा बत्ती के नेतृत्तव में भारतीय जनता पाटी का ध्वजा दंड लगाने और उस पर ध्वजारोहण के तहत 100 से ज्यादा भाजपा के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उन्हें एक कल्याण मंडप में रखा गया। गौरतलब है कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने अपनी यात्रा में कहा था कि तमिलनाडु के 100 प्रमुख शहरों में भाजपा का ध्वजदंड और ध्वजारोहण किया जाएगा।

पुलिस ने शिवसेना कार्यकर्ताओं को बेलगावी में प्रवेश करने से रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक पुलिस ने राज्य के स्थापना दिवस पर बुधवार को बेलगावी जा रहे शिवसेना कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र से लगती सीमा पर रोक दिया। शिवसेना कार्यकर्ता इस अवसर पर महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) की ओर से आयोजित 'काला दिवस' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कर्नाटक की सीमा में प्रवेश कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उन्हें यहां पुणे-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर निप्पानी तालुक में कोगनोली जांच चौकी पर रोका गया। पुलिस के अनुसार, कोल्हापुर जिला अध्यक्ष विजय देवणे के नेतृत्व में कम से कम 30 शिवसेना कार्यकर्ताओं को बेलगावी में प्रवेश करने से पहले सीमा पर ही रोक दिया गया और इसके बाद उन्हें कोल्हापुर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

समिति लंबे समय से कर्नाटक के कई मराठी भाषी क्षेत्रों और गांवों के महाराष्ट्र में विलय के लिए लड़ रही है। यह संगठन हर वर्ष 'कर्नाटक राज्योत्सव' दिवस को 'काला दिवस' के रूप में मनाता है। बेलगावी प्रशासन ने मंगलवार को महाराष्ट्र के तीन मंत्रियों और एक सांसद के इस जिले में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी थी। उनके कर्नाटक के स्थापना दिवस पर एमईएस की ओर से आयोजित 'काला दिवस' कार्यक्रम में उनके शामिल होने की आशंका थी। अधिकारियों के अनुसार, वे यात्रा के दौरान भड़काऊ भाषण दे सकते हैं। साथ ही कन्नड़ कार्यकर्ता उनका घेराव कर सकते हैं तथा इसके नतीजतन एमईएस कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हो सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र के मंत्री शंभुराजे देसाई, चंद्रकांत पाटिल, दीपक केसरकर और सांसद धैर्यशील माने के एमईएस के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। एमईएस ने हाल में कोल्हापुर में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी और सीमा मुद्दे पर उनका समर्थन मांगा था और अनुरोध किया था कि वह एमईएस की ओर से कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनिधियों को भेजें। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद 1957 से है, जब भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया था।

महाराष्ट्र ने बेलगावी पर दावा किया, जो पूर्ववर्ती बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि इसमें बड़ी संख्या में मराठी भाषी आबादी है तथा 800 से अधिक मराठी भाषी सीमावर्ती गांव हैं, जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं।

कन्नड़ राज्योत्सव पुरस्कार से 68 लोगों का हुआ सम्मान

बेंगलूरु। रवीन्द्र कलाक्षेत्र में कन्नड़ और संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्योत्सव पुरस्कार-2023 पुरस्कार समारोह में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की उपस्थिति में 68 उपलब्धि हासिल करने वालों को राज्योत्सव पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, गृह मंत्री डॉ. जी.परमेश्वर, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के मंत्री शिवराज एस. तंगड़ी, उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री सुधाकर, शहरी विकास विभाग के मंत्री सुरेशा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, नसीर अहमद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसरो के अध्यक्ष सोमनाथ सहित, 13 महिलाओं और 54 पुरुषों और एक किन्नर सहित कल 68 उपलब्धि हासिल करने वालों को विशेष रूप से कर्नाटक उत्सव-50 के अवसर पर तथा 10 संगठनों को राज्योत्सव पुरस्कार दिया गया।

प्रतियोगी परीक्षाएं कन्नड़ में भी आयोजित की जाएं : सिद्दरामैया ने केंद्र से कहा

राज्योत्सव पर 'कर्नाटक' नाम के 50 वर्ष पूर्ण राज्य में होंगे अनेक समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को कन्नड़ भाषा में भी आयोजित करने की वकालत करते हुए कहा कि इन्हें केवल हिंदी या अंग्रेजी में कराना संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री ने 68वें कर्नाटक राज्योत्सव के अवसर पर कंटीरवा स्टेडियम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वह इन परीक्षाओं के लिए भाषा के माध्यम पर फिर से विचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखेंगे।

उन्होंने कहा, शिवाजी नगर से विधायक रिजवान अरशद ने सही कहा है कि केंद्र सरकार केवल हिंदी और अंग्रेजी में परीक्षा आयोजित करती है। हमें इसका विरोध करने की जरूरत है। उनके मुताबिक, सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी में प्रतियोगी परीक्षाएं कराना संभव नहीं है। सिद्दरामैया ने कहा, हमारे बच्चे उसी भाषा में परीक्षा देंगे जो वे जानते हैं। मैं अपने प्रधानमंत्री से (भाषा के तरीके पर) दोबारा विचार करने का अनुरोध करूंगा। यह उल्लेख करते हुए कि केवल सरकारी स्कूलों में शिक्षा का माध्यम कन्नड़ है, निजी स्कूलों में नहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के बीच यह गलत धारणा है कि केवल अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे प्रतिभाशाली होते हैं तथा अच्छी नौकरी पाते हैं।

सिद्दरामैया ने यह भी कहा कि कर्नाटक में कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पैदा हुए हैं जिन्होंने कन्नड़ माध्यम में अध्ययन किया। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि माता-पिता को अपने बच्चे को अपनी पसंद के शिक्षण माध्यम में शिक्षा दिलाने का अधिकार है...। सिद्दरामैया ने सरकारी स्कूलों को उन्नत करने की जरूरत पर भी जोर दिया, ताकि वहां पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इस संबंध में, उन्होंने कर्नाटक में 10वीं कक्षा तक कन्नड़ को अनिवार्य बनाने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों के लिए बुधवार से मुफ्त बिजली और पानी देने की घोषणा की जिससे कि उनकी स्थिति सुधर सके। उन्होंने कहा कि राज्य अपने गठन का 68वां वर्ष मना रहा है और 'कर्नाटक' नाम से 50 साल पूरे कर चुका है, जिसे पहले 'मैसूर' के नाम से जाना जाता था। 'कर्नाटक' नाम की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए राज्य भर में साल भर विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को राज्य के इतिहास, इसकी भाषा, कला, संगीत, संस्कृति, विरासत और परंपराओं के बारे में बताने के लिए 'हेसारयितु कर्नाटक, उसिरगली कन्नड़' (कर्नाटक का नाम, कन्नड़ इसकी सांस हो) के नारे के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सिद्दरामैया ने लोगों से कन्नड़ को दैनिक व्यवहार में लाने की शपथ लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने सभी प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए कन्नड़ का उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बेंगलूरु में दहशत फैलाने वाले तेंदुए को गोली मारी गई, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वन कर्मियों ने पांच दिन से बेंगलूरु के निवासियों के बीच दहशत फैलाने वाले एक तेंदुए को मार गिराया। तीन दिन तक गहन तलाश अभियान के बाद वन विभाग के अधिकारियों को तेंदुए के बेंगलूरु दक्षिण में इलेक्ट्रॉनिक सिटी के निकट कुडलू गेट के पास होने का पता चला। अधिकारियों ने कहा कि इसके बाद उन्होंने एक पिंजरा लगाया और जब तेंदुए को पकड़ने के उनके प्रयास विफल हो गए तो उन्होंने गोली चला दी।

मुख्य वन संरक्षक एस. एस. लिंगराज ने पत्रकारों से कहा, तेंदुए ने पशु चिकित्सक किरण और एक अन्य कर्मचारी पर हमला किया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने एक और कर्मचारी पर हमला करने का प्रयास किया। इसलिए, कर्मचारी ने आत्मरक्षा में गोली चला दी। हमने बन्नेरघट्टा में इसे (तेंदुए को) बचाने की कोशिश की लेकिन उसकी मौत हो गई।

लिंगराज ने कहा कि जब तेंदुए ने लोगों पर हमला शुरू किया तो मुख्य वन्यजीव वार्डन ने उसे गोली मारने की अनुमति दे दी।

अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) कुमार पुष्कर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया सुबह अभियान शुरू हुआ। तेंदुए को जिंदा नहीं पकड़ा जा सका। कुडलू गेट के पास इसके होने का पता चला और तमाम प्रयास किये गये। इसे जीवित पकड़ना संभव नहीं था, क्योंकि यह बहुत आक्रामक था और लोगों पर हमला कर रहा था... जब इसे पकड़ने की कोशिश की जा रही थी तक इसने एक पशु चिकित्सक समेत तीन कर्मचारियों पर हमला किया था।

आईओबी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) को केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा घोषित सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की घोषणा की गई। 30 अक्टूबर 2023 से चलने वाला यह सप्ताह भर चलने वाला उत्सव, बैंक के लिए अपने परिचालन में ईमानदारी और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उद्घाटन दिवस के समारोह में बैंक के एमही और सीईओ अजयकुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक संजय विनायक मुदलियार, मुख्य सतर्कता अधिकारी राजीव कुमार और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में सत्य निष्ठा की प्रतिज्ञा सभी ने ली। बैठक में सतर्कता नियमावली के पहले संस्करण का विमोचन किया गया। जिसमें डीओपीटी द्वारा जारी सतर्कता मामलों पर वर्तमान निर्देश, सीवीसी निर्देश और कंपनी की नीतियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारे अडिग रुख के प्रतीक के रूप में आसमानी गुब्बारे छोड़े गए।

बेटे ने मां से बलात्कार का प्रयास किया, विरोध करने पर मार डाला

दक्षिण कन्नड़। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में एक व्यक्ति ने अपनी मां के साथ बलात्कार करने का प्रयास किया और विरोध करने पर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना 26 अक्टूबर को मुल्की तालुखाड़ के कोंडेला गांव में हुई और तब सामने आई जब पड़ोसियों ने तीन दिन बाद पीड़ित के घर से आ रही दुर्गंध महसूस किया। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी।

पीड़िता की पहचान 62 वर्षीय रत्ना शेट्टी और आरोपी बेटे की पहचान रविराज शेट्टी के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक खौफनाक वारदात के बाद रविराज घर पर ताला लगाकर फरार हो गया था। स्थानीय बाजपे पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने आरोपी को गिरफ्तार किया। उसने पूछताछ में कबूल किया कि उसने 26 अक्टूबर की रात को अपनी मां के साथ रेप करने का प्रयास किया था। जब मां ने विरोध किया तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। इस घटना की आगे की जांच जारी है।

भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी ने विद्याधरनगर से दाखिल किया अपना नामांकन पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी एवं सांसद दिया कुमारी ने बुधवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले श्रीमती दिया कुमारी ने अपने चुनाव प्रधान कार्यालय पर सुबह एक जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद वह नामांकन रैली के साथ कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुईं। हजारों की संख्या में समर्थक दिया कुमारी के साथ वाहन रैली के रूप में जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पंहुचे जहां उन्होंने अपना पर्चा भरा।

जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्रीमती दिया कुमारी ने सबसे पहले सभी आराध्य देवताओं को याद किया और जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं के आशीर्वाद से उन्हें सवाईमाधोपुर और राजसमंद में जीत मिली थी और आज का जनसैलाब देख कर उन्हें फिर से यह विश्वास हो गया है कि विद्याधरनगर में भी कमल खिलने वाला है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलायें भी मौजूद रहीं। नामांकन पत्र भरने के बाद श्रीमती दिया कुमारी ने सभी कार्यकर्ताओं और जनता का आभार व्यक्त किया और ऐसे ही समर्थन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजस्थान का हर एक नागरिक फिर से राजस्थान में डबल इंजन वाली सरकार की राह तक रहा है।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार की उलटी गिनती चालू हो चुकी है और जनता का सैलाब दिखाता है कि जनता ने इनको सत्ता से बाहर करने का फैसला कर लिया है। उनकी नामांकन रैली में जयपुर सांसद राम चरण बोहरा, राज्यसभा सांसद अनिल जैन, विधायक और पूर्व मंत्री कालीचरण सर्राफ, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता मुकेश पारीक, पूर्व विधायक बीरू सिंह, हज कमेटी के पूर्व चेयरमैन फ़िरोज़ खान, राजसमंद के जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहड़, महिला मोर्चा की सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, वार्ड अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ये कांग्रेस के भविष्य का भी चुनाव है : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आगामी विधानसभा चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए बुधवार को कहा कि ये कांग्रेस के भविष्य का भी चुनाव है। गहलोत ने पार्टी नेताओं से सभी प्रकार की राजनीति छोड़कर कांग्रेस उम्मीदवारों को चुनाव जिताने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी के नेता चुनाव जीतते हैं तो सरकार बनने पर उन्हें बोर्ड आदि में मौके दिए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि टिकट नहीं मिलने के कारण नाराज नेताओं से बातचीत कर उन्हें मनाया जाएगा।

राज्य में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। गहलोत ने कहा, जिन्होंने हमारा साथ दिया, हमारी सरकार बचाई, उसके बाद भी मैं (उन्हें) टिकट नहीं दिला पाया तो हमने उनसे कहा कि आप हमें चुनाव जिताओ, भले ही किसी को भी टिकट मिला हो। सारी राजनीति एक तरफ है और देश पहले है। देश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाना है। देश को कांग्रेस पार्टी की जरूरत है। आप उसे जिताओ।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'ये विधानसभा चुनाव सिर्फ कांग्रेस, राजस्थान का नहीं है। यह चुनाव कांग्रेस के भविष्य का चुनाव भी है। तो मैं मानता हूं कि अगर वे जिता देंगे तो हम चुनाव खत्म होने के बाद (सरकार बनने पर) उनको बोर्ड आदि में कहीं भी समायोजित करेंगे।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि टिकट बंटवारे के बाद कुछ कार्यकर्ताओं का नाराज होना स्वाभाविक है लेकिन टिकटों का वितरण कुल मिलाकर सबकी सलाह से हुआ है, फिर भी कुछ शिकायतें हो सकती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में कांग्रेस फिर चुनाव जीतेगी और लोगों का जनादेश पार्टी के पक्ष में होगा। उन्होंने कहा कि जनता चाहती है कि कांग्रेस की सरकार फिर से बने, क्योंकि हमने काम ही ऐसे किए हैं। उन्होंने कहा, 'इस बार मेरा मन कहता है कि लोग और कुछ नहीं देखेंगे। हमारे कामों को देखेंगे। मैंने जो काम किए हैं, मैं उनके साथ खड़ा हूं। मेरी पार्टी मेरे साथ खड़ी है। हमारी सरकार आपके सामने खड़ी है। पिछले चुनाव में जो वादे मैंने किए थे, करीब करीब सभी वादे निभाए हैं। मुझे लगता है कि जनता इस बार आशीर्वाद देगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राजस्थान दौरे संबंधी एक सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा, वहां बुलडोजर सरकार है। क्या यह राज (शासन) है? क्या यह लोकतंत्र है? कुछ लोग उनकी बातों से खुश हो जाते हैं, लेकिन कानून का राज नहीं है तो आप और हम भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। कानून का शासन सबके लिए आवश्यक है।

तालिबानी है कांग्रेस की सोच : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। देश की हर समस्या के लिये कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्टार प्रचारक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस की सोच तालिबानी है, जिसने भक्ति और शक्ति की धरती राजस्थान की परंपराओं को कलंकित करने का काम किया है। तिजारा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी योगी बालकनाथ के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कांग्रेस की सोच तालिबानी है और ऐसी तालिबानी सोच का इलाज बजरंगबली की गदा ही है, इसका उदाहरण इजराइल की गाजा में चल रही कार्रवाई में दिख रहा है, जहां चुन-चुनकर आतंकियों को मारा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि देश की हर समस्या की जड़ कांग्रेस है। कांग्रेस राज होता तो कभी भी राममंदिर मामले का समाधान नहीं होता। मगर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है। अयोध्या में आज विकास की बयार बह रही है। एक तरफ सरदार पटेल देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहे थे तो वहीं कांग्रेस ने कश्मीर में धारा 370 की समस्या पैदा कर दी, जिसे हमेशा के लिए हटाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के ताबूत में अंतिम कील ठोंक दी है। कांग्रेस जो काम 70 साल में नहीं कर सकी वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साढ़े नौ साल में कर के दिखा दिया।

केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए योगी ने कहा राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद यहां रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने का कार्य डबल इंजन की ताकत से किया जाएगा। राजस्थान के गौरव, परंपराओं और विरासत पर हर भारतीय को गर्व की अनुभूति होती है। अलवर से हम लोगों का नजदीक का रिश्ता है। योगीराज राजा भर्तृहरि नाथ की भूमि हमारी विरासत का प्रतीक है। यहां की गौरवशाली परंपराओं को कांग्रेस ने कलंकित करने का काम किया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने तुष्टिकरण की पराकाष्ठा को पार दिया है। कांग्रेस जहां देश की हर समस्या का नाम है तो वहीं हर समस्या का समाधान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व है। गहलोत सरकार को हिन्दू विरोधी बताते हुए उन्होने कहा कि यहां पेशेवर अपराधियों और गुंडों को प्रश्रय दिया जाता है। साथ ही सरकार के संरक्षण में संतों को अपमानित करने का कार्य किया जाता है। जनता को तय करना होगा कि ये तुष्टिकरण का खेल आखिर कब तक चलेगा। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए बताया कि यूपी 25 करोड़ की आबादी का राज्य है, मगर किसी गुंडे की हिम्मत नहीं होती कि किसी बेटी के सम्मान से खिलवाड़ कर सके। कोई भी गुंडा किसी व्यापारी को परेशान नहीं कर सकता। यूपी में बेटी की सुरक्षा है तो पूज्य संतों का सम्मान भी है। गोवंश को संरक्षण दिया जाता है।

उन्होने कहा कि जिस राज्य में बीजेपी सरकार है वहां डबल इंजन की ताकत से काम हो रहा है। बाबा बालकनाथ भी एक योगी हैं। उन्होंने तिजारा को सितारा बनाने का संकल्प लिया है। आपने इन्हे सांसद के रूप में देखा है। आपके साथ उनका आत्मीय रिश्ता है। अब तिजारा की जिम्मेदारी बनती है कि कोई जातिवाद और भेदभाव न हो। बाबा मस्तनाथ, राजा भर्तृहरि नाथ और बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद बाबा बालकनाथ के साथ है। यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस दुर्भाग्य से सफल होती है तब फिर से तालिबानी मानसिकता वाले बेटियों की इज्जत पर हमला करेंगे। हम सभी लोगों को राजस्थान को अराजकता का नहीं रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने वाला राज्य बनाना है। जहां गौमाता की सुरक्षा की गारंटी हों। बेटियों और माताओं की सुरक्षा हो। इस प्रदेश को भ्रष्टाचार नहीं, समृद्धि में नंबर एक पर लाना है। योगी आदित्यनाथ ने जनसभा स्थल पर खड़े बुलडोजर को इंगित करते हुए कहा कि ये बुलडोजर जहां एक तरफ दुष्टों का उपचार है तो वहीं विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए रास्ता बनाने का यंत्र भी है। हम सज्जनों का संरक्षण करते हैं मगर दुष्टों को सजा भी देते हैं।

'खनन माफियाओं पर कसा शिकंजा, अक्टूबर में 5 करोड़ का जुर्माना वसूला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए माइंस विभाग एक्शन मोड पर है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व उद्योग वीनू गुप्ता ने बताया कि अक्टूबर में समूचे प्रदेश में 730 कार्यवाही करते हुए 750 वाहन-मशीनरी जब्ती के साथ ही 5 करोड़ 63 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना वसूल किया जा चुका है। कार्यवाही में एसएमई जयपुर कार्यक्षेत्र में सर्वाधिक 173 कार्यवाही की गई हैं। वहीं जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और कोटा जोन में प्रभावी कार्यवाही की गई है।

गौरतलब है कि चुनाव घोषणा के साथ ही मीडिया में खनन माफिया के सक्रिय होने के समाचारों को विभाग ने गंभीरता से लिया और एसीएस माइंस वीनू गुप्ता ने अवैध खनन गतिविधियों के प्रति गंभीरता दिखाते हुए फील्ड अधिकारियों को चाकचोबंद रहने और शिकंजा कसने के निर्देश दिए, वर्चुअली संवाद कायम कर अधिकारियों को माइंस विभाग की गंभीरता का स्पष्ट मैसेज दिया। वहीं निदेशक माइंस ताराचंद मीणा के स्वयं के स्तर पर प्रभावी मोनेटरिंग के सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे हैं।

एसीएस माइंस वीनू गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अवैध खनन, भण्डारण, परिवहन और ओवर लोडिंग पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अक्टूबर में 81 एफआईआर दर्ज करवाई जा चुकी है। अधिकारियों को फील्ड में सतर्क रहने और रात्रिकालीन गश्त को जारी रखने को कहा गया है। निदेशक माइंस ताराचंद मीणा ने बताया कि अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से नजर रखी जा रही है और मुख्यालय स्तर पर नियमित मोनेटरिंग की जा रही है।

उन्होंने बताया कि विभाग के फील्ड अधिकारियों को सक्रिय करते हुए अवैध खनन गतिविधियों पर जीरो टोलरेंस का सख्त संदेश दे दिया गया है। मीणा ने बताया कि मुख्यालय स्तर पर अतिरिक्त निदेशक सतर्कता योगेन्द्र सिंह सहवाल को मोनेटरिंग व समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है।

जयपुर जोन में अतिरिक्त निदेशक बीएस सोढ़ा के निर्देशन में जयपुर और अजमेर एसएमई कार्यक्षेत्र में 298 प्रकरणों में 27 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही 305 वाहन मशीनरी जब्ती और 2 करोड़ 24 लाख 93 हजार 153 रु. की वसूली की गई है। एसएमई जयपुर प्रताप मीणा की टीम द्वारा अक्टूबर में 173 कार्यवाही करते हुए एक करोड़ 31 लाख रु. से अधिक की वसूली की है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने दक्षिण पश्चिमी कमान की कमान संभाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, एवीएसएम ने बुधवार को यहां दक्षिण पश्चिमी कमान की बागडोर संभाल ली। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने प्रेरणा स्थल यपुर मिलिट्री स्टेशन में एक समारोह में बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दक्षिण पश्चिमी कमान की बागडोर संभाली। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र हैं। वह 20 दिसंबर 1986 को द्वितीय लांसर्स में कमीशन हुए थे। जनरल ऑफिसर ने स्किनर्स हॉर्स रेजिमेंट ,एक आर्मर्ड ब्रिगेड, जम्मू-कश्मीर में एक काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स और पश्चिमी मोर्चे पर प्रतिष्ठित स्ट्राइक कोर को कमांड किया है । दक्षिण पश्चिमी कमान का कार्यभार संभालने से पहले, वह दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग थे। उनके अपने कार्यकाल में स्टाफ नियुक्तियों में स्वतंत्र आर्मर्ड ब्रिगेड के ब्रिगेड मेजर, एमएस शाखा में सहायक सैन्य सचिव, मुख्यालय दक्षिण पश्चिमी कमान में ब्रिगेडियर जनरल सर्विस (ऑपरेशंस) तथा सेना मुख्यालय में विभिन्न शाखाओं में तीन कार्यकाल शामिल हैं। वह एनडीए, खडकवासला में प्रशिक्षक तथा सहायक एडजुटेंट और स्कूल ऑफ आर्मर्ड वारफेयर, द आर्मर्ड कॉर्प्स सेंटर एंड स्कूल, अहमदनगर में कर्नल प्रशिक्षक रहे हैं।

उनकी विदेशी तैनाती में 1995 से 1996 तक संयुक्त राष्ट्र अंगोला सत्यापन मिशन तृतीय में संचालन अधिकारी के रूप में कार्यकाल शामिल है। जनरल ऑफिसर ने विभिन्न कोर्स ऑफ़ इंस्ट्रक्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हैख उन्हें 'यंग ऑफिसर्स' कोर्स में 'सिल्वर सेंचुरियन' से सम्मानित किया गया है साथ ही साथ उन्होंने रेडियो इंस्ट्रक्टर और जूनियर कमांड कोर्स दोनों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्हें वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज कोर्स में सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंड छात्र से सम्मानित किया गया है। जनरल ऑफिसर ने मिलिट्री कॉलेज, पेरिस, फ्रांस में प्रतिष्ठित रक्षा सेवा कमांड और जनरल स्टाफ कोर्स में भाग लिया है और वे हायर कमांड कोर्स,महू और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र भी हैं। वह नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल, मोंटेरी, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए से अंतर्राष्ट्रीय रक्षा अधिग्रहण प्रबंधन कोर्स भी उत्तीर्ण हैं। सेवा में उनके शानदार योगदान के लिए लेफ्टिनेंट जनरल सेठ को अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

सचिवालय की एक इमारत में आग से फर्नीचर और अन्य समान जला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में सचिवालय के एक भवन की चौथी मंजिल पर एक कमरे में आग लग गई जिससे कार्यालय का फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। सचिवालय के सुरक्षा अधिकारी प्रदीप गोयल ने बताया कि सचिवालय की चौथी मंजिल स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में सोशल मीडिया टीम के बंद दफ्तर से बुधवार सुबह धुआं निकलने की सूचना मिलने पर सुरक्षा कर्मियों वहां पहुंचे और आग को बुझाया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया लगा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है तथा आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। गोयल ने बताया कि आग जिस कमरे में लगी है उसमें मुख्यमंत्री कार्यालय की सोशल मीडिया टीम काम करती है। आग की जानकारी मिलने पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इधर भाजपा ने आरोप लगाया कि आग कोई आकस्मिक घटना नहीं बल्कि यह कांग्रेस सरकार के काले 'कारनामे छिपाने' की साजिश का हिस्सा है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि मामले को लेकर भाजपा चुनाव आयोग को भी शिकायत दर्ज करवाएगी।

सचिवालय में आग का मामला : बीजेपी ने उठाया सवाल कि आग लगी या लगाई गई

जयपुर। बुधवार सुबह राजधानी जयपुर में सचिवालय स्थित लाइब्रेरी भवन की चौथी मंजिल पर अचानक आग लग गई। आग की वजह से कमरे में रखी फाइलें और फर्नीचर जलकर राख हो गया। जहां पर आग लगी वो कमरा सीएमओ के सोशल मीडिया के स्टाफ के लिए आवंटित है। आग लगने को लेकर बीजेपी ने सवाल उठाया है कि आग लगी है या लगाई गई है।

ग्रामीण मतदाताओं से जुड़ाव उम्मीदवारों का भाग्य तय करेगा

विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रतापगढ़। सुदूर बरमंडल गांव में अपने खेत की जुताई कर रहे 55 वर्षीय कैलाश कहते हैं कि वह किसानों के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी पहलों से अच्छी तरह वाकिफ हैं, लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में उसे ही वोट देंगे। उन्होंने कहा, उम्मीदवार ऐसा होना चाहिए जो जनता के लिए आसानी से उपलब्ध रहे। वोट डालने से पहले मैं उम्मीदवार में यही पहली चीज देखता हूं। कैलाश कहते हैं कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने महिलाओं को मोबाइल फोन दिए लेकिन वे अब तक सभी को नहीं मिले हैं और जिन्हें नहीं मिले उनमें निराशा है। हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना जैसी योजना से लोगों को फायदा हुआ है। चिरंजीवी योजना से हर परिवार को 25 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा मिलता है। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र के लोगों के लिए निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना मुश्किल है। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र में कांग्रेस सरकार का काम सराहनीय है।

बरमंडल गांव प्रतापगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आता है। यहां ऐसी सोच रखने वाले कैलाश अकेले नहीं हैं। पीटीआई-भाषा ने जिन अन्य लोगों से बात की, उन्होंने भी इस बात पर जोर दिया कि मतदाताओं के साथ उम्मीदवारों का जुड़ाव तय करेगा कि उनका वोट किसे मिलेगा। एक अन्य किसान बनवारी शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे से ज्यादा स्थानीय उम्मीदवार का चेहरा मायने रखता है। उन्होंने कहा, लोग मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) में काम चाहते हैं और जरूरत के समय स्थानीय विधायक को उनके साथ खड़ा होना चाहिए। यहां आय के स्रोत सीमित हैं। पुरुष आजीविका कमाने के लिए गुजरात और मध्य प्रदेश जाते हैं जबकि महिलाएं खेतों में काम करती हैं।

उन्होंने कहा, संसाधन सीमित हैं और अगर विधायक आम जनता के लिए आसानी से उपलब्ध रहता है, तो लोगों का काम आसानी से हो जाता है। इसलिए, वे ऐसे व्यक्ति को अपना विधायक बनाना चाहते हैं जो आसानी से जनता के लिए उपलब्ध हो। शर्मा ने कहा कि यहां के लोगों की जरूरतें सीमित हैं लेकिन वे चाहते हैं कि सड़कों की मरम्मत और सरकार से संबंधित अन्य जरूरी काम आसानी से हो जाएं।

साल 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के रामलाल मीणा ने प्रतापगढ़ सीट जीती। उन्होंने छह बार के विधायक और पूर्व मंत्री नंदलाल के बेटे हेमंत मीणा को हराया था। इससे पहले लंबे समय तक यह सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गढ़ मानी जाती रही। नंदलाल ने 1980 में और फिर 1993 से 2018 तक लगातार इस सीट से जीत हासिल की। इस सीट से इस बार भी रामलाल मीणा और हेमंत मीणा एक दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। कांग्रेस के रामलाल मीणा को विश्वास है कि वह फिर जीतेंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी बहुल इलाकों में 'अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना' काफी लोकप्रिय रही है। रामलाल ने कहा, आसमान छूती महंगाई ने गरीबों पर भारी बोझ डाल दिया है। यहां के लोगों के पास सीमित आय और संसाधन हैं। जब सरकार ने मुफ्त भोजन पैकेट योजना शुरू की, तो लोगों ने इसे बहुत सराहा। वहीं हेमंत मीणा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के उनके प्रतिद्वंद्वी भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा,रामलाल मीणा ने केवल पैसे कमाए हैं और कुछ नहीं किया।

जयपुर साहित्य महोत्सव के 17वें सत्र के वक्ताओं की दूसरी सूची जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। जयपुर साहित्य महोत्सव (जेएलएफ) की बुधवार को घोषित 25 वक्ताओं की दूसरी सूची में बुकर पुरस्कार विजेता डेमन गलगुट, मशहूर ब्रिटिश उपन्यासकार डायना इवांस और 'द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स' की लेखिका चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी शामिल हैं। 'पृथ्वी पर सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव' करार दिए गए जेएलएफ का 17वां संस्करण अगले साल 1-5 फरवरी तक होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में होगा।दूसरी सूची में पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखक हर्नान डियाज और काई बर्ड, पत्रकार-कला समीक्षक केटी कितामुरा, ब्रिटिश कला इतिहासकार ल्यूक सिसनकेली दोरजी, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबुल एसी और मशहूर गीतकार गुलजार शामिल हैं। बयान में कहा गया, 25 वक्ताओं की दूसरी सूची में एक विविध और विद्वान वक्ताओं की मौजूदगी है, जिसमें कवि, अनुवादक और 'लाइक ब्लड ऑन द बिटन टंग : दिल्ली पोयम्स' और 'हाउ मैनी कंट्रीज डज द इंडस क्रॉस' के लेखक अखिल कात्याल भी शामिल हैं। सूची में 'द राइट टू सेक्स' की लेखिक अमिया श्रीनिवासन, तिब्बत और हिमालय की बौद्ध परंपराओं के विद्वान एंड्रयू क्विंटमैन, प्रमुख भारतीय कवि और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता अरुंधति सुब्रमण्यम और 'लेसन्स इन केमिस्ट्री' से साहित्य की दुनिया में कदम रखने वाले बोनी गार्मस भी शामिल हैं।

देश में समस्या का पर्याय बन चुकी है कांग्रेस: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह देश में समस्या का पर्याय बन चुकी है। इसके साथ ही आदित्यनाथ ने राजस्थान में कानून-व्यवस्था को लेकर भी राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। वह तिजारा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी व सांसद बाबा बालकनाथ द्वारा नामांकन दाखिल किए जाने के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे।

आदित्यनाथ ने आरोप लगाया, 'राजस्थान की गौरवशाली परंपरा को कांग्रेस अपनी प्रकृति के अनुरूप कलंकित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। मुझे आश्चर्य होता है कि कांग्रेस देश के अंदर समस्या का नाम (पर्याय) बन चुकी है। कांग्रेस देश की हर समस्या का नाम (पर्याय) है।'उन्होंने कहा, 'देश जिन समस्याओं का समाधान एक एक कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज कर रहा है वे सभी समस्याएं कांग्रेस की देन हैं।'

आदित्यनाथ ने कहा कि समस्या का समाधान करने का नाम ही 'डबल इंजन' की सरकार है।उन्होंने कहा,' जहां जहां भारतीय जनता पार्टी की 'डबल इंजन' की सरकार है वहां सुरक्षा, समृद्धि और विकास है तथा वहां बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके को उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।'

केंद्र सरकार की उज्ज्वला सहित अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो कहा करके दिखाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा, यह तुष्टिकरण का खेल कब तक चलेगा? मैं पूछना चाहता हूं एक तरफ आप गौ तस्करों को महिमा मंडित करते हैं और दूसरी तरफ पूज्य संतों के आश्रम पर बुलडोजर चलाते हैं। ये कैसे स्वीकार किया जा सकता है? यहां पर संतों की हत्या होती है, गोतस्करी व गोकशी होती है। मां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। व्यापारी की संपत्ति पर कोई भी गुंडा आकर कब्जा कर लेता है।'

बाबा बालकनाथ ने तिजारा विधानसभा क्षेत्र से बुधवार को नामांकन दाखिल कर दिया।

मिजोरम की शांति और विकास के लिए कांग्रेस को वोट दें राज्य के लोग: सोनिया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को एक वीडियो संदेश के माध्यम से मिजोरम की जनता से विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की और आरोप लगाया कि प्रदेश की दो पार्टी-मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) तथा जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रवेश द्वार की तरह हैं।उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर देश में एकरूपता थोपने के प्रयास का भी आरोप लगाया और कहा कि इससे लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा हुआ है।

गांधी ने मणिपुर हिंसा के मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरी तरह से चुप्पी साध लेने का आरोप लगाया और कहा कि हिंसा के छह महीने बीतने के बावजूद उन्होंने कुछ घंटों के लिए भी मणिपुर का दौरा करना उचित नहीं समझा। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, ''मिजोरम का मेरे दिल में विशेष स्थान है। मैंने कई बार मिजोरम का दौरा किया। आपकी परंपरा और संस्कृति, आपकी भूमि की सुंदरता एवं समृद्धि ने मेरे ऊपर गहरी छाप छोड़ी है। मैं आज तक आपका स्नेह व अपनापन नहीं भूली हूं।'' कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने इस बात को याद किया कि उन्होंने ऐतिहासिक मिजो करार के तत्काल बाद अपने परिवार के साथ मिजोरम का दौरा किया था।

नीतीश ने मंत्रियों से कहा- सरकार की उपलब्धियों का श्रेय अपने दलों को न दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्रियों द्वारा राज्य की गठबंधन सरकार की उपलब्धियों का इस्तेमाल अपने-अपने दलों की छवि चमकाने के लिए करने पर बुधवार को नाखुशी जताई। कुमार ने बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में उन्होंने लगभग 14,000 करोड़ रुपये की बिजली परियोजनाओं का अनावरण किया। राज्य में सात दलों के महागठबंधन की सरकार है।

जनता दल (यू) के नेता एवं बिजली मंत्री बिजेंद्र यादव और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तथा राजस्व व भूमि सुधार मंत्री आलोक मेहता समेत अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। कुमार ने किसी का नाम लिए बिना कहा, मैंने देखा है कि मेरे कई मंत्री सुर्खियां बटोरने के चक्कर में सरकार के अच्छे काम का श्रेय अपनी ही पार्टियों को दे देते हैं। यह उचित नहीं है। जब भी मैं बिहार में किए गए किसी अच्छे काम का जिक्र करता हूं तो मैं इसे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं बताता हूं।

इसी तरह, सभी मंत्रियों को यह याद रखना चाहिए कि उन्हें समग्र रूप से सरकार को श्रेय देना चाहिए न कि अपनी पार्टियों को। जद (यू) और राजद के अलावा, राज्य मंत्रिमंडल में कांग्रेस के मंत्री भी हैं। कुमार की पार्टी पिछले साल भाजपा के साथ नाता तोड़कर बहुदलीय महागठबंधन में शामिल हो गई थी। विपक्ष अक्सर दावा करता रहा है कि महागठबंधन के घटक दलों में विश्वास की कमी है। अपने भाषण में, कुमार ने अपने मंत्री बिजेंद्र यादव की भी प्रशंसा की, जिन्होंने करीब दो दशकों से बिजली विभाग का जिम्मा संभाल रहे हैं।

नोएडा में विभिन्न जगहों से मादक पदार्थ, अवैध हथियार बरामद, 10 बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। गौतम बुद्ध नगर जिले में विभिन्न जगहों से पुलिस ने मादक पदार्थ और अवैध हथियार बरामद किए हैं तथा इस संबंध में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सेक्टर 63 के थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि मंगलवार रात को गश्त के दौरान पुलिस ने एक सूचना के आधार पर ननकू नामक युवक के पास से 1.2 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं, सूरजपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार रात को गश्त पर निकले उप निरीक्षक आलोक कुमार ने एक सूचना के आधार पर दीपक तथा जितेंद्र को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने 40 पव्वा अवैध शराब बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि ये लोग काफी दिनों से अवैध रूप से शराब बेचने के धंधे में लिप्त थे। जेवर थाना क्षेत्र के खुर्जा अंडरपास के निकट आबकारी विभाग ने एक व्यक्ति के पास से अवैध शराब बरामद की जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आबकारी निरीक्षक नामवर सिंह ने एक सूचना के आधार पर खुर्जा अंडरपास के पास से आशु नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

ध्रुवीकरण के अलावा भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में उनके (भाजपा के) पास इसके अलावा कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन राज्य के लोग ऐसी विभाजनकारी विचारधारा को कतई स्वीकार नहीं करेंगे।

पार्टी के प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियां छत्तीसगढ़ के लोगों के हित में नहीं हैं।उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दाविहीन हो गई है। उसके पास राज्य में ध्रुवीकरण के अलावा कोई मुद्दा नहीं है। राज्य में केंद्रीय गृहमंत्री और असम के मुख्यमंत्री के भाषणों में केवल ध्रुवीकरण का मुद्दा उठा।'' रमेश ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने भारत निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर छत्तीसगढ़ में रैलियों के दौरान दिए गए बयानों के लिए केंद्रीय गृहमंत्री (अमित शाह) और असम के मुख्यमंत्री (हिमंत विश्व शर्मा) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और निर्वाचन आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किये हैं।''उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री.. सभी ध्रुवीकरण के मुद्दे को बढ़ावा देने के लिए समान मानसिकता के साथ चुनाव प्रचार में उतर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इससे डरेगी नहीं और इसके खिलाफ लड़ेगी। भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) विभाजनकारी राजनीति में विश्वास करते हैं तथा सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने और वोट हासिल करने के लिए लोगों को धर्म, जाति और भाषा के आधार पर विभाजित करने की कोशिश करते हैं। वे उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी यही काम कर रहे हैं।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश ने दावा किया कि मणिपुर में जो कुछ भी हुआ वह उसी विभाजनकारी राजनीति का नतीजा है। छत्तीसगढ़ चुनाव में कांग्रेस की जीत पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा, ''लोग विभाजनकारी और ध्रुवीकरण की विचारधारा को स्वीकार नहीं करेंगे।'' रमेश ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर राज्य के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने नगरनार इस्पात संयंत्र का निजीकरण न किये जाने की बात कही है, लेकिन उसे बेचने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस ने मणिपुर संबंधी बयान को लेकर रक्षा मंत्री पर निशाना साधा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा मणिपुर के राजनीतिक दलों पर हिंसा को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाए जाने के बाद उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह ''अपनी नौकरी बचाने की कोशिश कर रहे हैं।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा क्यों नहीं किया और शांति बहाल करने में विफल रहने के बावजूद मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह अपने पद पर क्यों बने हुए हैं? उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हम सभी जानते हैं कि ऐसी बातें कहने की रक्षा मंत्री की मजबूरी है ताकि वह अपनी नौकरी बचा सकें। दो सबसे प्रासंगिक प्रश्न हैं कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं गए और मणिपुर के मुख्यमंत्री अब भी पद पर क्यों हैं?''

राजनाथ सिंह ने मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों से अपील की कि वे परस्पर बने 'अविश्वास' के माहौल को खत्म करने के लिए साथ बैठें और 'दिल' से बात करें। मिजोरम के दक्षिणी हिस्से में और म्यामां सीमा के नजदीक आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है और मणिपुर के दोनों समुदायों को स्थिति सुधारने के लिए एक-दूसरे से बातचीत करनी चाहिए।

झारखंड में राकांपा के एकमात्र विधायक ने हेमंत सोरेन सरकार से समर्थन वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एकमात्र विधायक कमलेश सिंह ने बुधवार को हुसैनाबाद को अलग जिला नहीं बनाने पर राज्य की हेमंत सोरेन नीत सरकार से अपना समर्थन वापस लेने की घोषणा की।

सिंह ने चेतावनी दी थी कि अगर 31 अक्टूबर तक पलामू जिले के उपमंडल हुसैनाबाद को अलग जिला नहीं बनाया गया तो वह सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेंगे।

हुसैनाबाद के विधायक सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी ने 2020 में झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को इस शर्त पर समर्थन दिया था कि उप-मंडल को एक जिला बनाया जाएगा।उन्होंने कहा, ''हुसैनाबाद की जनता सरकार से हार गयी है। उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी नहीं हुई है। इसलिए सरकार के साथ रहने का कोई मतलब नहीं है।'' महाराष्ट्र में राकांपा के भीतर खींचतान के बाद, सिंह अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट का हिस्सा बन गए, जो भाजपा के साथ है। वह हालांकि झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा बने रहे, जिसमें झामुमो, राजद और कांग्रेस शामिल हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि सोरेन सरकार के कुशासन से राज्य की जनता त्रस्त है। यह लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रही है। राकांपा कार्यकर्ता झारखंड में गठबंधन सरकार को बेनकाब करेंगे।

बरेली में गैस प्लांट में रिसाव : एक मजदूर की मौत, चार बेहोश

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले के बिथरी चैनपुर क्षेत्र में एक निजी बायोगैस प्लांट में गैस का रिसाव होने के कारण एक मजदूर की मौत हो गयी तथा चार अन्य बेहोश हो गए। जिला प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं। उपजिलाधिकारी (सदर) रतनिका श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया कि बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के भोजपुर रामनाथ गांव में एक निजी बायोगैस प्लांट में मंगलवार देर रात अचानक गैस का रिसाव शुरू हो गया।उन्होंने बताया कि इसके सम्पर्क में आने पर पांच मजदूर बेहोश हो गये जिन्हें आनन-फानन में शहर के एक मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान शिव कुमार (20) की मौत हो गई। वह बिहार के वैशाली जिले का रहने वाला था।उन्होंने बताया कि गैस रिसाव के सम्पर्क में आने से बेहोश हुए चार अन्य मजदूरों का इलाज किया जा रहा है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि घटना की जांच के आदेश कर दिए गये हैं।

नाबालिग लड़कियों की तस्करी कर उन्हें बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में पुलिस ने नाबालिग लड़कियों की तस्करी करने वाले कथित गिरोह का बुधवार को भंडाफोड़ करते हुए एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने बहजोई थाना क्षेत्र में कैला देवी चौराहे के पास कप्तान नामक व्यक्ति और उसकी पत्नी विनीता को पकड़कर उनके कब्जे से 14 साल की एक लड़की को मुक्त कराया। उनके मुताबिक, अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे उस लड़की को दिल्ली के एक रेलवे स्टेशन से बहला-फुसलाकर लाये थे और उसे शीपाल नामक व्यक्ति को 20 हजार रुपये में बेचने की योजना थी। गिरोह नाबालिग लड़कियों की तस्करी करता है। गुनावत ने बताया कि पकड़े गये दम्पति की निशानदेही पर पुलिस ने शीपाल और गिरोह में उसके साथी राम अवतार को भी गिरफ्तार कर लिया है। सभी अभियुक्तों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि उनके द्वारा पूर्व में की गयी ऐसी ही अन्य वारदातों के बारे में जानकारी मिल सके।

अर्थव्यवस्था के बाद पदक तालिका में भी पांचवें नंबर पर पहुंचा भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पैरा एशियाई खेलों में भारत के प्रदर्शन को अभूतपूर्व बताते हुए इसकी तुलना देश की अर्थव्यवस्था में आये बदलाव से की और कहा कि देश पिछले नौ साल में अर्थव्यवस्था में दसवें से पांचवें नंबर पर पहुंचा और आपने भी पदक तालिका में देश को 15वें से पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया ।

प्रधानमंत्री मोदी ने हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 111 पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से कहा,'' आपके ये 111 पदक दरअसल 140 करोड़ सपने हैं । 2014 में एशियाई पैरा खेलों में भारत के पदकों से यह तीन गुना अधिक है । 2014 में हम पदक तालिका में 15वें स्थान पर थे लेकिन इस बार शीर्ष पांच में हैं । देश नौ साल में अर्थव्यवस्था में दसवें से पांचवें नंबर पर पहुंचा और आपने भी पदक तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया ।'' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत विश्व अर्थव्यवस्था रैंकिंग में अमेरिका, चीन , जापान और जर्मनी के बाद पांचवें स्थान पर है । प्रधानमंत्री ने कहा,''मैं आप सभी को बधाई देना चाहता हूं । आप लोग चीन में खेल रहे थे लेकिन मैं भी आपके साथ था । मैं हर पल आपकी हर गतिविधि को, आपके प्रयासों को, आत्मविश्वास को यहां बैठे जी रहा था।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहायता देने के लिये प्रतिबद्ध है । प्रधानमंत्री ने कहा ,'' पहले कहा जाता था कि खिलाड़ी सरकार के लिये है लेकिन अब कहा जाता है कि सरकार खिलाड़ियों के लिये है । जब सरकार खिलाड़ियों के संघर्ष और उनके सपनों को समझती है तो इसका सीधा प्रभाव सरकार की नीतियों और सोच में भी दिखता है । देश में अच्छे खिलाड़ी पहले भी थे लेकिन उनका सहयोग करने वाली नीतियां नहीं थी ।'' उन्होंने कहा ,'' पिछले नौ साल में देश उस पुरानी सोच और व्यवस्था से बाहर निकल आया है । आज देश में कई ऐसे खिलाड़ी है जिन पर चार पांच करोड़ खर्च किये जा रहे हैं। अब सरकार की सोच खिलाड़ियों पर केंद्रित है और आने वाले समय में आपके जैसे कई और विजेता देश को मिलेंगे। हमारी सरकार आपके साथ है, देश आपके साथ है । अगर आप मरी पड़ी सोच से चलते हैं तो न दुनिया को चला सकते हैं और न ही कोई सिद्धी प्राप्त कर सकते हैं।''

टैगोर भावना हैं, उनकी यादों को मिटाया नहीं जा सकता: विश्वभारती पट्टिका विवाद पर राज्यपाल ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने बुधवार को कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर एक भावना हैं तथा उनकी यादों को न तो मिटाया जा सकता है और न ही नजरअंदाज किया जा सकता है।

बोस ने यह टिप्पणी टैगोर द्वारा स्थापित विश्वभारती को यूनेस्को की ओर से विश्व धरोहर का दर्जा मिलने के बाद लगाई गई पट्टिका को लेकर उत्पन्न विवाद के बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल के बाद की।

बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में लगाई गई पट्टिका में टैगोर के नाम का उल्लेख नहीं है जबकि कुलाधिपति होने के नाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कुलपति बिद्युत चक्रवर्ती का नाम है। विश्वविद्यालय के रेक्टर की भूमिका निभा रहे बोस ने एक कार्यक्रम से इतर कहा, ''टैगोर एक अनुभूति हैं, वह भारतीयों के खून और दिलों में बहने वाली भावना हैं। ऐसा कोई क्षण नहीं हो सकता जब टैगोर की यादों को भुलाया या नजरअंदाज किया जा सके।''

करीब एक सदी पहले साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित टैगोर ने विश्व भारती की स्थापना की थी। इस साल सितंबर में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर का दर्जा दिया था।

तृणमूल कांग्रेस संबंधित पट्टिका हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है।

त्रिपुरा : गैरकानूनी तरीके से भारत में प्रवेश करने पर छह बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के अगरतला में स्थित महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे पर भारत में कथित रूप से गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करने के लिए बांग्लादेश के छह नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान मोहम्मद नील इस्लाम (22), रत्न रबिदास (21), मोहम्मद जोनी मिया (18), सिफात मिया (20), मेहदी जसन (20) और स्वप्न मिया (26) के रूप में हुई है और सभी पड़ोसी देश के विभिन्न हिस्सों से संबंध रखते हैं।

हवाई अड्डा थाने के प्रभारी अधिकारी अभिजीत मंडल ने बताया कि मंगलवार रात को छह लोगों को हवाई अड्डे पर घूमते हुए देखा गया और जब ड्यूटी पर तैनात अधिकारी ने उनसे वैध दस्तावेज दिखाने को कहा तो वे ऐसा करने में विफल रहे। बांग्लादेशी नागरिकों को गैर कानूनी तरीके से भारतीय सरजमीं पर प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में यह पाया गया कि वे कोलकाता जाने की योजना बना रहे थे।

भारत के आखिरी लीग मैच से पहले पंड्या की वापसी मुश्किल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या 12 नवंबर को नीदरलैंड के खिलाफ बेंगलूरु में टीम के आखिरी लीग मैच से पहले वापसी नहीं कर सकेंगे । पंड्या को 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अपनी ही गेंदबाजी पर क्षेत्ररक्षण के दौरान चोट लगी थी । वह न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल सके और बृहस्पतिवार को श्रीलंका तथा पांच नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी नहीं खेल पायेंगे । भारत को आखिरी लीग मैच नीदरलैंड से 12 नवंबर को बेंगलूरु में खेलना है ।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा ,'' वह तेजी से ठीक हो रहा है और आखिरी लीग मैच खेल सकेगा । यह भी संभव है कि वह सीधे सेमीफाइनल खेले ।'' अभी तक सारे छह मैच जीतने वाली भारतीय टीम का सेमीफाइनल में प्रवेश तय है । पंड्या की कमी पूरी करने के लिये टीम में छठे नंबर पर उनकी जगह सूर्यकुमार यादव को उतारा गया है जबकि पांच गेंदबाज खेल रहे हैं । मोहम्मद शमी के शानदार फॉर्म को देखते हुए टीम को बतौर गेंदबाज पंड्या की कमी नहीं खली है लेकिन टीम के संतुलन के लिये उनका होना बहुत जरूरी है।

विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगे विली

बेंगलूरु/भाषा। इंग्लैंड के हरफनमौला डेविड विली ने बुधवार को कहा कि वह विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे । उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि उनके फैसले का विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन से कोई सरोकार नहीं है । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक सप्ताह पहले उन्हें 2023 . 24 के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखा था । विली ने इंस्टाग्राम पर कहा ,'' मैं नहीं चाहता था कि यह दिन आये । बचपन से मैने सिर्फ इंग्लैंड के लिये क्रिकेट खेलने का ही सपना देखा था । काफी सोच विचारकर और बड़े खेद के साथ मुझे लग रहा है कि वह समय आ गया है कि विश्व कप के बाद क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कह दूं ।''उन्होंने कहा ,'' मैने हमेशा इंग्लैंड के लिये खेलने में गर्व अनुभव किया है । मैं खुशकिस्मत हूं कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ खेल सका।''

वनडे क्रिकेट में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बने शाहीन अफरीदी

कोलकाता/भाषा। पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी बुधवार को एक दिवसीय क्रिकेट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए जो उनके कैरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है । अफरीदी ने सात पायदान की छलांग लगाकर आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को पछाड़ा। बांग्लादेश के खिलाफ पाक की जीत में अफरीदी ने 23 रन देकर 3 विकेट लिये । इसी मैच में उन्होंने 100वां वनडे विकेट भी लिया । उन्होंने 51 मैचों में इस आंकड़े को छुआ और सबसे तेजी से वनडे विकेटों का शतक पूरा करने वाले वह तीसरे गेंदबाज और पहले तेज गेंदबाज बन गए । इस विश्व कप में वह सात मैचों में 16 विकेट लेकर आस्ट्रेलिया के एडम जाम्पा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं ।

असम टीम को 'दूसरे दर्जे के नागरिक' कहने पर अशोक मल्होत्रा ने माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहाली/भाषा। असम के क्रिकेटरों को 'दूसरे दर्जे का नागरिक' कहने वाले भारत के पूर्व क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा ने अपने इस अपमानजनक बयान के लिये माफी मांग ली है । मल्होत्रा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी प्री क्वार्टर फाइनल में यहां मंगलवार को असम के हाथों बंगाल की अप्रत्याशित हार के बाद यह बयान दिया था ।

बंगाल के कोच रहे मल्होत्रा ने कहा था ,'' हमारे जमाने में असम की टीम को दूसरे दर्जे के नागरिक माना जाता था ।''

भारत के लिये सात टेस्ट और 20 वनडे खेल चुके मल्होत्रा ने मामले पर विवाद तूल पकड़ने के बाद अगले दिन एक्स पर माफी मांगते हुए कहा ,'' अगर असम के लोगों की भावनाओ को मेरे बयान से ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं । मैं शर्मिंदा हूं । यह जानबूझकर नहीं गया गया । मैं बिना किसी शर्त के माफी मांगता हूं ।'' मैच में असम के कप्तान रियान पराग ने लगातार सातवां अर्धशतक जमाया और कमेंट्री बॉक्स की तरफ उनके इशारे से साफ था कि वह मल्होत्रा के बयान से खफा हैं।

सुविचार

न जाने क्यों हम करते हैं भरोसा गैरों पर, जबकि पूरी ज़िन्दगी चलनी हैं, अपने ही पैरो पर।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनुचित और अक्षम्य

केरल में कोच्चि के पास कलमश्शेरी में एक 'कन्वेंशन सेंटर' में प्रार्थना सभा के दौरान धमाके की घटना कई सवाल खड़े करती है। इसके आरोपी ने बाद में सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट कर दिया और घटना को अंजाम देने की 'वजह' बताई। यह मामला चौंकाता भी है, क्योंकि आमतौर पर जब कोई अपराधी ऐसा कृत्य करता है तो उसकी कोशिश यही होती है कि वह कानून की नजरों में न आए। अगर ऐसी घटना के पीछे कोई गिरोह या आतंकवादी संगठन होता है तो वह अपनी दहशत फैलाने के लिए फोन पर जिम्मेदारी लेता है। लेकिन केरल का यह मामला साल 2022 के राजस्थान के कन्हैया लाल हत्याकांड से काफी समानता रखता है। उस मामले के आरोपियों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर जिम्मेदारी कबूली थी। वे कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे। उनका मानना था कि अगर उनकी नजरों में कोई 'अपराधी' है तो उसे ज़िंदा रहने का अधिकार नहीं है। 'कन्वेंशन सेंटर' में धमाके के आरोपी डोमिनिक मार्टिन ने भी दावा किया था कि 'यहोवा के साक्षी' और उसकी विचारधारा (उसके नजरिए के मुताबिक) देश के लिए खतरनाक हैं और इसलिए राज्य में उनकी मौजूदगी खत्म करनी होगी। यही नहीं, वह इस संगठन को 'अपनी शिक्षाओं' में सुधार करने के लिए नसीहत दे चुका था, लेकिन जब उसकी मर्जी के मुताबिक काम नहीं हुआ तो उसने खतरनाक कदम उठा लिया! अगर किसी संगठन की शिक्षाएं पसंद नहीं हैं या सहमत नहीं हैं तो बेहतर तरीका यही है कि उससे संबंध तोड़ लें, दूर रहें। अगर उन 'शिक्षाओं' में ऐसी बातें पाते हैं, जो किसी की आस्था को ठेस पहुंचाती हैं या देश के लिए हानिकारक हैं तो पुलिस या संबंधित एजेंसियों को सूचित किया जा सकता है। लेकिन उसकी सभा में लोगों के जीवन को नुकसान पहुंचाने का कदम अनुचित और अक्षम्य है।

डोमिनिक मार्टिन के बारे में अब तक जो बातें सामने आई हैं, उनसे प्रतीत होता है कि यह शख्स न केवल कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित है, बल्कि बेहद शातिर भी है।

डोमिनिक मार्टिन के बारे में अब तक जो बातें सामने आई हैं, उनसे प्रतीत होता है कि यह शख्स न केवल कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित है, बल्कि बेहद शातिर भी है। यह पहले खाड़ी देश में नौकरी करता था, जहां उसका वेतन काफी अच्छा था। दुनियाभर से लाखों लोग खाड़ी देशों में नौकरी करने जाते हैं। उनका सपना होता है कि अच्छी कमाई के साथ वहां ज़िंदगी का लंबा अरसा गुजारें, लेकिन मार्टिन वह नौकरी छोड़कर आ गया था! क्या यह वहां किसी कट्टरपंथी विचारधारा के संपर्क में आया था या उसका पहले से ही उसकी ओर झुकाव था? यह मामला क्षणिक भावावेश में आकर किए गए अपराध का नहीं है, क्योंकि मार्टिन ने अपनी गिरफ्तारी के बाद जो 'खुलासे' किए, उनसे पता चलता है कि उसने पहले पूरी साजिश रची, उसके बाद विस्फोटक सामग्री जुटाकर तैयारी की। आखिर में धमाका किया और वीडियो बनाकर जिम्मेदारी ली। उसने विस्फोटक सामग्री खरीदने के बिल भी पेश किए हैं। यह शख्स इलेक्ट्रॉनिक्स की अच्छी जानकारी रखता है। न्यायालय ने उससे कई बार कहा कि वह कानूनी सहायता ले, लेकिन उसने इससे इन्कार किया और कहा कि वह अपने मामले की पैरवी खुद करेगा! हो सकता है कि यह भी प्रचार पाने के लिए उसका एक पैंतरा हो। जांच अधिकारियों को इस मामले में डोमिनिक मार्टिन के खिलाफ जो सबूत मिले हैं, उनके आधार पर माना जा रहा है कि उसके बरी होने की गुंजाइश कम ही है। चूंकि घटना में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। आरोपी ने अपना अपराध सोशल मीडिया पर कबूल भी कर लिया है। अब जांच अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे पुख्ता सबूत जुटाएं तथा न्यायालय में दोषसिद्धि कराकर पीड़ितों को न्याय दिलाएं।

ट्वीटर टॉक

चुनाव के समय गारंटियों पर गारंटियां की बात करने वाली गहलोत जी की सरकार की पुनर्वापसी की ही कोई गारंटी नहीं। प्रदेश की जनता जानती है हमें पांच साल तक पूरे शासन काल में राहत देने वाली सरकार चाहिए, झांसेबाज, धोखेबाज, भ्रष्टाचार वाली कांग्रेस सरकार नहीं।

–सीपी जोशी

सनातन संस्कृति में तिथि का बड़ा महत्व है। पंचांग के अनुसार आज परम श्रद्धेय राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी की 104वीं जयंती है। इस अवसर पर लोकहित एवं राष्ट्रसेवा के लिए जीवन समर्पित कर देने वाली अम्मा महाराज का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

–वसुंधरा राजे

पोकरण से भाजपा प्रत्याशी आदरणीय महन्त श्री प्रतापपुरी जी महाराज के नामांकन अवसर पर उपस्थित रहा। वहाँ उमड़े जनसैलाब ने बता दिया मोदी जी के नाम की लहर है और जीत तय है। वहाँ हुई सभा को केन्द्रीय विधि मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल के साथ संबोधित किया।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

विवेक दृष्टि

एक संत धर्म प्रचारार्थ कहीं जा रहे थे। उन्होंने रास्ते में देखा कि एक युवक किसी युवती के साथ छेड़खानी कर रहा है। संत वहीं रुक गए। युवक को समझाते हुए बोले, 'किसी भी युवती के साथ ऐसा व्यवहार करना अशोभनीय व पाप कर्म है।' उन्होंने युवक के चेहरे पर और ध्यान से दृष्टि गड़ाई, तो उन्हें याद आ गया कि यह तो वही युवक है, जिसे उन्होंने आंखों के अंधेपन से मुक्ति दिलाई थी। संत जी को अपनी ओर निहारते देखकर युवक भी उन्हें पहचान गया। युवक उनके चरणों में गिर पड़ा और बोला, 'महाराज! मैं वही हूं, जिसे आपने आंखों की ज्योति दिलाई थी। यदि मुझे नेत्र दृष्टि के साथ-साथ विवेक दृष्टि भी मिल जाती तो मैं इस पाप-कर्म की ओर उद्यत कदापि नहीं होता।' संतजी ने उसी समय संकल्प ले लिया कि वे मरीजों की सहायता करने के साथ-साथ उन्हें धर्म मार्ग पर चलने, संयम व सादगी का जीवन जीने का उपदेश भी देते रहेंगे।

सामयिक

रिश्तों की अंधी दुनिया में गुम होती किशोर पीढ़ी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

सोशल मीडिया, मोबाइल एवं संचार-क्रांति से दुनिया तो सिमटती जा रही लेकिन रिश्तों में फासले बढ़ते जा रहे हैं। भौतिक परिवर्तनों, प्रगति के आधुनिक संसाधनों एवं तथाकथित नये जीवन का क्रांतिकारी दौर हावी हैं। लेकिन हम सामाजिक-पारिवारिक-सांस्कृतिक प्रभावों के प्रति उतने सजग नहीं है जितना बदलावों की आंधी के दौर में होना चाहिए। मोबाइल ने छीन रखा है सबका सुकून, जीवन का आनन्द एवं शांत एवं संतुलित जीवन का स्रोत। व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम ने चला रखा है अजीब जादू? हाथ में मोबाइल, सामने लगा रहे टीवी- बस यहीं बन चुकी है सबकी जिन्दगी। आज किसी भी घर के वातायन में झांककर देख लें-दुःख, चिन्ता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, उन्मुक्तता, पक्षपात, विरोध, विद्रोह एवं रुखापन के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ। बड़ी चुनौतीपूर्ण स्थिति है, खुद पर तरस खाओ, रिश्तों को सम्भालों वरना अकेले रह जाओगे, जिन्दगी भर पछताओगे। ऐसे ही एक अभिभावक के लिये पछतावे की स्थिति तब बनी जब उन्होंने अपनी किशोरी को स्मार्ट फोन दिलाया। पिता ने सोचा था कि मोबाइल से पढ़ाई में सहायता होगी। जब उन्होंने देखा कि बेटी पढ़ाई के बजाय अक्सर किसी अजनबी युवक से बात करती है तो टोका। यह बात किशोरी को इतनी नागवार गुजरी कि वह शिकायत लेकर बुधवार को थाने पहुंच गई। माता-पिता की डांट फटकार से नाराज कोई बच्चा यदि थाने पहुंचता है तो इसे बाल अधिकारों के प्रति उसकी जागरूकता से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन लखनऊ की यह किशोरी जिस शिकायत का लेकर थाने पहुंच गई वह अनेक चिंताजनक सवाल खड़े करता है एवं नये बनते सामाजिक सोच की परते उधेड़ता है। बालिका का तर्क है कि माता-पिता मेरी जिंदगी में क्यों दखल दे रहे हैं।

हमारे अनुभव हमारी सोच को गहरे प्रभावित करते हैं। हमारे मूल्य और आदर्श भी इससे प्रभावित होते हैं। नित नए अनुभव हमारे नजरिए में बदलाव करते रहते हैं। अगर निरपेक्ष होकर देखें तो पाएंगे कि कुछ सालों पहले आप जैसे थे, आपकी पारिवारिक दुनिया जितनी खुशनुमा थी, आज उतनी नहीं है। हम अपने स्व को भूल रहे हैं, अपनी संस्कृति एवं पारिवारिक संरचना से दूर होते जा रहे हैं। अपने सिद्धांतों और आदर्शों से समझौता करने लगे हैं। अजीब हालात है कि दूसरों की खबर लेने का वक्त है पर अपनों की होश नहीं। दुनियाभर के दोस्तों से दुआ सलाम सब हो रहा, लेकिन अपने से दूरियां बढ़ती जा रही है। अपनों को पराया और पराया को अपना कर रहे देखिए किस तरह सब हो रहे। साथ होकर भी साथ नहीं, अपनों के लिए वक्त नहीं। तनहा हो गए सब एक ही घर में। साथ अपना होकर भी बाहर सब साथी ढूँढ रहे हैं। न सीमाएं है, न संस्कार, न मर्यादा। उच्छृंखलता एवं उन्मुक्तता इस कदर हावी है कि माता-पिता का किसी गलत बात पर डांटना भी बच्चों के लिये अपराध जैसा हो गया है, तभी इसकी शिकायत यानी अपने माता-पिता को ही पुलिस थाने पहुंचा दिया गया और वह भी एक बालिका के द्वारा। प्रश्न है कि किशोर-किशोरियां में अपने माता-पिता के प्रति इस तरह के भाव-विचार-विद्रोह क्यों पैदा हो रहे हैं। बच्चों व अभिभावकों के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही है? जवाब हर परिस्थिति में अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन समग्रता का सार यह है कि किसी बच्चे के सकारात्मक विकास के लिए परिवार, पड़ोस और विद्यालय से जो संस्कार मिलने चाहिए, वे नहीं मिल रहे हैं। बल्कि अपसंस्कृति एवं विकारों के प्रति चेतना का भी ह्रास हो रहा है। वास्तव में आज मोबाइल फोन महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इसके उपयोग को लेकर हमें बच्चों को सतर्क करना होगा। बच्चों को फोन दिलाना यदि जरूरत है तो इसके अच्छे-बुरे का संस्कार देना कर्तव्य। वह जिम्मेदारी परिवार, पड़ोस और विद्यालय की सामूहिक है।

सोशल मीडिया एवं स्मार्ट फोन एक ऐसी दुनिया से लोगों को जोड़ रहा है जो नजर से बहुत दूर हैं और उन अपनों से भी दूर कर रहा है जो नजर के सामने हैं। रिश्तों की हो या फिर चीजों की पोटली, इसमें ज्यादातर गैरजरूरी चीजें ही भरने का प्रचलन चल रहा है। अपनी जरूरतों का सामान जोड़ना और उन्हें अपने साथ रखना जरूरी है, पर कुछ भी लिए रहना या किसी भी तरह के रिश्तों को ढोते रहना हमें थका देता है, परेशानी एवं संकट में डाल देता है।

माता-पिता इनदिनों सोशल मीडिया पर बह रही रिश्तों की अंधी दुनिया से ज्यादा चिन्तीत एवं परेशान है। क्योंकि वहां पर दिखने वाले खुशनुमा चेहरे वास्तविक जिंदगी में शायद ही उतने खुशनुमा होते हैं। लेकिन किशोर पीढ़ी तस्वीरों को ही सच मानकर खुद को उनमें संलिप्त कर लेती हैं। यह सम्पूर्ण पीढ़ी सच का सामना ही नहीं करना चाहती। दरअसल, सोशल मीडिया की दृष्टि से जब किशोर बड़े हो रहे होते हैं तो उन्हें झूठ से भरी चीजों पर यकीन करना सिखाया जाता है, अपने संस्कृति, अपनी परम्परा एवं अपनी जीवनशैली से एक षडयंत्र के तहत दूर करने की इन कुचेष्ठाओं के प्रति सचेत करना नितान्त अपेक्षित है, भले ही कोई किशोरी पुलिस का डर दिखाये। सोशल मीडिया किशोर पीढ़ी को यह सोचने पर मजबूर करता है कि उनके पास विकल्प नहीं हैं और उन्हें उनके साथ हो रही सभी चीजों को स्वीकार करके उनसे तालमेल बिठा लेना चाहिए। लेकिन, हर चीज इसी तरह से काम नहीं करती। हमारे आसपास कोई भी चीज आदर्श नहीं है और ना ही सोशल मीडिया का तिलिस्मी संस्कार। एक तरह से सोशल मीडिया एक नशा है, एक अभिशाप है, जिसने जीवन के सौन्दर्य को खंडित किया है। जीवन में चमकपूर्ण उदासी एवं तनाव को बिखेरा है। इसके कारण कभी लोग छूट जाते हैं तो कभी वस्तुएं। खुद को संभाले रखना जटिल होता जा रहा है। समझ नहीं आता, करें तो क्या?

पिछले एक दशक में सोशल नेटवर्किंग साइट्स एवं स्मार्ट फोन की लोकप्रियता जबरदस्त बढ़ रही हैं तो जिन्दगी में जहर भी घोल रही है, दुनिया छोटी होती गयी है और पारिवारिक रिश्तों में दूरियां बढ़ती गयी है। लोग अपने जिंदगी के हर पहलू पर अपने लोगों की नहीं पराये लोगों की राय, उनकी पसंद और उनकी रूचि जानना चाहते हैं। वीडियो, संदेश, पिक्चर्स, रिकार्डेड आवाज के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोग आपस में जुड़े हैं। परंतु क्या इस बात से आप भी सहमत हैं कि इस जुड़ाव में न तो विश्वास है, न अपनापन है, न आत्मीयता है और न ही असली रूचि, न ही रिश्तों की गर्माहट, बल्कि भौतिक चकाचौंध, प्रतिस्पर्धा और जलन अधिक है? शुरुआत में नई उम्र के लोग सोशल मीडिया से जुड़े और धीरे-धीरे बड़ी उम्र के लोग भी इससे जुड़ते गए, अब महिलाएं भी बड़ी संख्या में जुड़ चुकी है। मजाक में कहा जाता है कि पूरे परिवार को एक साथ बातचीत के लिए इकट्ठा करना हो तो वाई फाई थोड़ी देर के लिए बंद कर दो।

सोशल मीडिया एवं स्मार्ट फोन एक ऐसी दुनिया से लोगों को जोड़ रहा है जो नजर से बहुत दूर हैं और उन अपनों से भी दूर कर रहा है जो नजर के सामने हैं। रिश्तों की हो या फिर चीजों की पोटली, इसमें ज्यादातर गैरजरूरी चीजें ही भरने का प्रचलन चल रहा है। अपनी जरूरतों का सामान जोड़ना और उन्हें अपने साथ रखना जरूरी है, पर कुछ भी लिए रहना या किसी भी तरह के रिश्तों को ढोते रहना हमें थका देता है, परेशानी एवं संकट में डाल देता है।

जरूरी कामों को किनारे कर कई बार जिंदगी को मुश्किल बना देता है। जबकि आत्मीय एवं पारिवारिक रिश्तों के बल पर हम अंधेरों में भी रोशनी ढूंढ़ लेने में समर्थ होते रहे हैं। बाधाओं के बीच विवेक जगा लेते थे, ऐसे घरों एवं दायरों में कहीं घर में मंदिर बनता रहा है तो कहीं घर ही मन्दिर बन जाता था। जहां समस्याओं की भीड़ नहीं, वैचारिक वैमनस्य का होलाहल नहीं, संस्कारों के विघटन का प्रदूषण नहीं, तनावों के त्रासदी की घुटन नहीं। लेकिन अब ऐसा नहीं हो पा रहा है, जिन्दगी स्वयं एक समस्या बन गयी है, टूटते-बिखरते रिश्तों के बीच मूल्य भी टूट रहे हैं, संस्कृति भी कराह रही है। अपनी ही नजरों में हीन करने की यह चेष्टा है, यह भ्रम एवं दिखावे की दुनिया है, यह बाजारवाद है। कई बार संबंधों को ठीक करना भी हमारे वश में नहीं होता। ऐसे में आपको दुखी होने के बजाय स्थिति को स्वीकार कर लेना आपकी मजबूरी होती है। जहां एक तरफ वास्तविक संबंध दरकते हैं, वहीं दूसरी ओर बनावटी-संकटपूर्ण नए संबंध जुड़ जाते हैं।

मंथन

बढ़ते वायु प्रदूषण से खतरे में सेहत

बाल मुकुन्द ओझा
मो.- 8949519406

देश में ठण्ड की दस्तक के साथ हवा की गुणवत्ता खराब होने लगी है। हालाँकि वायु प्रदुषण की समस्या विश्वव्यापी है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष प्रदूषित वायु से 70 लाख से अधिक लोगों की असमय मौत हो जाती है। वहीं भारत की राष्ट्रीय राजधानी में हाल के वर्षों में वायु प्रदुषण में काफी वृद्धि देखने को मिली है। दिल्ली में प्रदुषण के कारण बहुत ही गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं, इसी के चलते स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सामने आने लगती हैं। राजधानी दिल्ली में हवा में जहर तेजी से घुलने लगा है। दिल्ली में बढ़ते इस दमघोटू प्रदूषण के साथ बीमारियों का खतरा भी बढ़ता चला जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदुषण पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने देश के पांच पड़ोसी राज्यों से सवाल किया है कि उन्होंने वायु प्रदूषण को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं। न्यायालय ने कहा कि कुछ दशकों पहले यह दिल्ली में सबसे अच्छा वक्त होता था। उसने कहा कि शहर अब बिगड़ती वायु गुणवत्ता से संकट में है और घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 231 में से 18 शहरों में हवा 'बेहतर' रही। वहीं 46 शहरों की श्रेणी 'संतोषजनक' रही जबकि 108 शहरों में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' रही। वहीं अंकलेश्वर-बल्लभगढ़ सहित 42 शहरों में प्रदूषण का स्तर दमघोंटू रहा, जबकि बहादुरगढ़ सहित 17 शहरों में प्रदूषण का स्तर जानलेवा हो गया है। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में है। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 12 अंक बढ़कर 359 पर पहुंच गया है। जबकि लखनऊ में यह इंडेक्स 198, चेन्नई में 129, चंडीगढ़ में 185, हैदराबाद में 101, जयपुर में 156 और पटना में 232 दर्ज किया गया। वायु प्रदूषण ने भारत को अपने पंजे में मजबूती से जकड रखा है। भारत की आबोहवा निरंतर जहरीली होती जा रही है। वैश्विक स्तर पर हवा की गुणवत्ता के बारे में सूचना देने वाली टेक कंपनी आई क्यू एयर द्वारा जारी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट के अनुसार भारत 2022 में दुनिया का आठवां सबसे प्रदूषित देश रहा है। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली चौथे स्थान पर है। विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए प्रदूषित हवा बिलकुल माकूल नहीं है। यह मुख्य रूप से कम हवा की गति के कारण हवा में प्रदूषकों के फैलाव की अनुमति नहीं है। इस मौसम में पॉल्यूशन की समस्या काफी बढ़ जाती है। पराली जलना और वाहनों से निकलने वाला प्रदूषण हवा को खराब करने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं. प्रदूषण की वजह से देश को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

वायु प्रदूषण पर एक वैश्विक रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दूषित हवा हमारे स्वास्थ्य के लिए न केवल बेहद हानिकारक है अपितु पेट की आंत सम्बन्धी विभिन्न व्याधियों की भी कारक है। एक अध्ययन रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की गई है की वायु प्रदूषण के कारण हमारे शरीर की आंत के बैक्टीरिया पर गहरा असर पड़ सकता है जिससे मधुमेह जैसी खतरनाक बीमारी के साथ मोटापा, पेट के आंत के संक्रमण सहित विभिन्न पुरानी बीमारियां बढ़ सकती है। इस रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है की वाहनों से उत्सर्जित होने वाली खतरनाक गैसें जब सूर्य की रोशनी के संपर्क में आती है तो वे बेहद खतरनाक रूप धारण कर लेती है जो हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती है।

चिंतन

बढते सड़क हादसों पर कैसे लगे लगाम?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार मिनी बस एक कंटेनर से टकरा गई, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया, प्राइवेट बस में 35 यात्री सवार थे। यह दुर्घटना मुंबई से लगभग 350 किलोमीटर दूर स्थित एक्सप्रेसवे के वैजापुर इलाके में रात 12.30 बजे हुई।बस ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिसके चलते बस पीछे की ओर से कंटेनर से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, हादसे में मारे गए 12 लोगों में से पांच पुरुष, छह महिलाएं और एक नाबालिग लड़की शामिल है।

बीतें दिनों बेंगलूरू-पुणे हाईवे पर पुणे के नवले ब्रिज पर एक बड़ा सड़क हादसा घटित हो गया। इस हादसे का कारण ऑयल टैंकर का ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है। इस अनियंत्रित ट्रक के चलते सड़क पर 48 गाड़ियाँ भी आपस में टकरा गयी। इनमें से 22 कारें सहित एक ऑटोरिक्शा भी शामिल था। हालाँकि, हादसे में कोई जनहानि की खबर प्राप्त नहीं हुई है। कुछ महीने पहले, नामी व्यवसायी सायरस मिस्त्री का भी एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। वे अहमदाबाद से मुंबई लौट रहे थे और मुंबई से 100 किमी पहले उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई थी।

आइये आकंड़ों के माध्यम से समझने की कोशिश करते हैं कि भारत में सड़क हादसों की स्थिति कितनी गंभीर है। हाल ही में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, वर्ष 2022 में कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं। इनमें 1,68,491 लोगों की जान चली गई। जबकि 4,43,366 लोग घायल हो गए थे। मंत्रालय की तरफ से 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं-2022' शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार, हर एक घंटे में 53 सड़क हादसे हुए और हर एक घंटे में 19 लोगों ने सड़क हादसों में जान गंवाई। इनमें सीट बेल्ट और हेलमेट का इस्तेमाल न करने वालों का ऊंचा अनुपात है।

रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2022 में कुल 4,61,312 सड़क हादसे हुए, जिनमें से 1,51,997 यानी 32.9 प्रतिशत हादसे एक्सप्रेसवे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर हुए। वहीं 1,06,682 यानी 23.1 प्रतिशत हादसे राज्य राजमार्गों जबकि 2,02,633 यानी 43.9 प्रतिशत हादसे

अन्य सड़कों पर हुए। रिपोर्ट में कहा गया कि सालाना आधार पर सड़क हादसों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उनसे होने वाली मृत्यु की दर 9.4 प्रतिशत बढ़ी। हादसों में घायल होने वाले लोगों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट कहती है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों में एक बड़ी संख्या सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल न करने वालों की रही। सीट बेल्ट न पहनने की वजह से 16,715 लोगों की इन हादसों में मौत हो गई जिनमें से 8,384 लोग ड्राइवर थे जबकि बाकी 8,331 लोग वाहन में बैठे यात्री थे। इसके अलावा 50,029 दोपहिया सवार भी हेलमेट न पहनने की वजह से इन हादसों में अपनी जान गंवा बैठे।

रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में लगातार चौथे साल घातक सड़क दुर्घटना का सबसे अधिक युवा शिकार हुए। इसमें कहा गया, 2022 में 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के 66.5 लोग हादसों का शिकार हुए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौत में 18-60 वर्ष के कामकाजी आयु वर्ग के लोगों की संख्या 83.4 प्रतिशत थी। 'भले ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 2024 तक देश में दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौत की संख्या को आधा करने का लक्ष्य रखा है पर यह आंकड़ा कम होने का नाम ही नहीं लेता है। ये हालत देखते हुए सड़क हादसों को रोकने के लिए सरकार को एक नीति बनानी होगी। जागरूकता अभियान चलाने होगें। सरकार को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए। आज करोड़ों के हिसाब से वाहन पंजीकृत हैं, मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है। क्योंकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता। पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रही है, मगर चालान इसका हल नहीं है। इसका स्थाई समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनों को काफी तेज रफ्तार में चलाते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसेंस रद्द करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं।

प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकते हैं। आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है, नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं। भले ही पुलिस यंत्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है, मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के और भी अनेक कारण हैं। सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं। लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं। देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय- समय पर होते रहते हैं। लापरवाह चालकों को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सकें। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाक्स तक नहीं होता है।

ओवरलोडिंग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं। बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है। लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थाई हल हो सकता है। यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते हैं तो सड़कों पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता है। लापरवाही के कारण देश में दुर्घटनाओं का कहर बरपता रहेगा। मावन जीवन को बचाना होगा क्योंकि मानव जीवन दुर्लभ है। केंद्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओं पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नहीं तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछती रहेंगी लोग मरते रहेंगें। सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। यदि सरकारें ऐसे ही सोती रहेंगी तो देश की सड़कें मानव खून से लाल होती रहेंगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

करवा चौथ

पटना में बुधवार को 'करवा चौथ' त्योहार के अवसर पर विवाहित महिलाएं पूजा करती हुईं।

जयशंकर ने पुर्तगाल के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की

लिस्बन/भाषा

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा सहित शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की तथा रक्षा, व्यापार, निवेश, पर्यटन और सीधा हवाई संपर्क जैसे क्षेत्रों में प्रमुख दक्षिणी यूरोपीय राष्ट्र के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों ने ''पुर्तगाल में काम करने के लिए भारतीय नागरिकों की नियुक्ति के समझौते'' के कार्यान्वयन की समीक्षा की और वे इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया पर सहमत हुए। उन्होंने कहा, ''इसके लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू होगी।''

जयशंकर ने कहा कि भारत ने हमेशा पुर्तगाल को यूरोपीय संघ (ईयू) में अपने प्रमुख साझेदारों में से एक माना है। उन्होंने, ''हम 2025 में 50 साल पूरे होने, अपने राजनयिक संबंधों की फिर से स्थापित करने के लिए तत्पर हैं।'' पुर्तगाल के विदेश मंत्री जोआओ क्रेविन्हो के साथ मंगलवार को संयुक्त बयान में जयशंकर ने कहा, ''हम कई क्षेत्रों में नई ऊर्जा और गतिविधियां देखते हैं। व्यापार और निवेश स्पष्ट रूप से एक मजबूत प्रेरक कारक है। विशेषकर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों जैसी कई भारतीय कंपनियों ने पुर्तगाल में अपनी पहचान बनाई है।'' दो प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुर्तगाल तथा इटली की अपनी चार दिवसीय यात्रा के पहले चरण में पुर्तगाल पहुंचे जयशंकर ने कहा कि संयुक्त आर्थिक समिति को दोनों नेताओं के बीच हुई कुछ चर्चाओं पर आगे बढ़ने के लिए कहा जाएगा और ''इस बारे में संभावना तलाशें कि हम स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में और क्या कर सकते हैं।''उन्होंने कहा, ''हमने रक्षा सहयोग, स्टार्ट-अप, नवाचार पर भी चर्चा की। हमने सीधा हवाई संपर्क के लिए भी वार्ता की।'' यह भी कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि एक बार जब हम इस दिशा में प्रगति कर लेंगे तो हमारे आदान-प्रदान का विस्तार होगा और दोनों देशों ने पर्यटन के विकास पर जोर दिया है और वह भी सीधा हवाई संपर्क के लिए जरिये बढ़ेगा।''

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, ''आज (मंगलवार) प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। समकालीन चुनौतियों पर चर्चा की और हमारे संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके मार्गदर्शन की सराहना की।''उन्होंने पुर्तगाली गणराज्य की असेंबली के अध्यक्ष ऑगस्टो सैंटोस सिल्वा से भी मुलाकात की और दो लोकतंत्रों के करीबी सहयोग के महत्व पर चर्चा की।

एक अन्य पोस्ट में जयशंकर ने कहा, ''आज सुबह लिस्बन में पुर्तगाली गणराज्य की असेंबली के अध्यक्ष ऑगस्टो सैंटोस सिल्वा से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए उनके मजबूत समर्थन को हमेशा महत्व दिया है। एक अस्थिर दुनिया में हमारे दो लोकतंत्रों के करीबी सहयोग के महत्व पर चर्चा की।'' जयशंकर ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि भारत की प्रमुख दुध एवं डेयरी कंपनी अमूल पुर्तगाली राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का पहला भारतीय क्षेत्रीय प्रायोजक है।उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने लोथल (गुजरात में) में समुद्री विरासत परिसर पर चर्चा की, जिसे भारत पुर्तगाल के सहयोग से विकसित कर रहा है। जयशंकर ने कुछ प्रवासी कार्यक्रमों में भाग लिया और लिस्बन में राधा कृष्ण मंदिर के सामने महात्मा गांधी और उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

वापस लौटने पर अंतरिक्ष यात्रियों में पृथ्वी की नाजुकता का एहसास आम है : राकेश शर्मा

कोलकाता/भाषा। अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा ने कहा है कि प्रत्येक अंतरिक्ष यात्री को धरती पर लौटने के बाद पृथ्वी की नाजुकता का एहसास होता है और लोगों को इस ''स्वर्ग'' को इसके संसाधनों का जरूरत से अधिक दोहन कर ''बर्बाद'' करना बंद करना चाहिए।

शर्मा ने कहा कि लोगों को रहने के लिए पृथ्वी के अलावा किसी अन्य स्थान की तलाश करने से पहले वहनीयता को सीखना चाहिए।उन्होंने यहां संग्रहालय का उद्घाटन करने के बाद संवाद सत्र में हिस्सा लेते हुए कहा, ''लगभग हर अंतरिक्ष यात्री हमारे ग्रह की नाजुकता के एहसास के साथ वापस आता है... यहीं (अंतरिक्ष में) आपको वृहद तस्वीर देखने को मिलती है... कि हमारी पृथ्वी सिर्फ एक हल्का नीला बिंदु है।''

पूर्व विंग कमांडर 74 वर्षीय शर्मा ने कहा, ''इसलिए, जो स्वर्ग हमारे पास है, उसको बर्बाद करने के बजाय, मैं वहनीयता सीखने को प्रेरित करूंगा, ताकि कहीं अन्य जगह बसने से पहले इसे नरक बनाने की जल्दबाजी नहीं की जाए .... दुर्भाग्य से, बहुत से लोग इसके बारे में बात नहीं कर रहे हैं, यहां तक कि जो अंतरिक्ष से लौटते हैं, वे भी।'' शर्मा अप्रैल, 1984 में प्रक्षेपित किए गए सोवियत संघ के 'सोयुज टी-11' अभियान का हिस्सा थे।

वह अंतरिक्ष में जाने वाले पहले और एकमात्र भारतीय हैं। वह यहां भारतीय अंतरिक्ष भौतिकी केंद्र के परिसर में खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान संग्रहालय का उद्घाटन करने आए थे। अपने संबोधन में शर्मा ने सभी हितधारकों से ग्रह की सुरक्षा के लिए अधिक टिकाऊ होने के तरीकों पर गौर करने का आग्रह किया। शर्मा ने कहा, ''पृथ्वी के पास सीमित संसाधन हैं, लेकिन उनका व्यय अनुकूल नहीं है।

फ्लोरिडा के 'वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिजॉर्ट' में पहली बार दीपावली का जश्न मनाया गया

न्यूयार्क/भाषा

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित 'वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिजॉर्ट' में पहली बार दीपावली का जश्न मनाया गया। इस दौरान सैकड़ों नर्तक-नर्तकियों ने नृत्य के माध्यम से वैश्विक दर्शकों को भारत की संस्कृति और विरासत से रूबरू कराया। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, दीपावली का पहला युवा उत्सव 'जश्न प्रोडक्शंस' द्वारा आयोजित किया गया। इसमें देश भर के 400 से अधिक नर्तक-नर्तकियों ने डिज्नी स्प्रिंग्स और डिज्नी एनिमल किंगडम थीम पार्क में प्रदर्शन किया। 'जश्न प्रोडक्शंस' की संस्थापक जेनी बेरी के निर्देशन में आयोजित तीन दिवसीय 'डांस फेस्ट' में उत्तरी अमेरिका के नर्तक-नर्तकियों ने हिस्सा लिया।

बेरी ने कहा, वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिजॉर्ट में पहली बार दीपावली मनाना बहुत आनंददायक रहा। हमने दक्षिण एशियाई नृत्य समुदाय के साथ इस महत्वपूर्ण त्योहार की खुशी और उत्साह को साझा करके इतिहास रचा। 'पृथ्वी पर सबसे जादुई जगह' में दीपावली का जादू मनाना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा रहा।

बेरी ने कहा कि 'जश्न प्रोडक्शंस' दीपावली डांस फेस्ट जैसे और कार्यक्रम आयोजित कर दक्षिण एशिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए लोगों को एक साथ लाने के लिए उत्सुक है। डांस फेस्ट की शुरुआत 26 अक्टूबर को हुई तथा इसका समापन 28 अक्टूबर को हुआ। डिज्नी एनिमल किंगडम थीम पार्क में आयोजित कार्यक्रम में गुजरात, पंजाब, आंध्र प्रदेश सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित नर्तक-नर्तकी पॉप और हिप-हॉप गीतों पर थिरकते नजर आए।

विज्ञप्ति के मुताबिक, यह फेस्ट अपनी तरह का पहला उत्सव था, जिसने बच्चों को विश्व प्रसिद्ध मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। इस दौरान 1,000 से अधिक अतिथियों ने दीपावली कार्यक्रम के दौरान भारतीय संगीत और वेशभूषा का लुत्फ उठाया।

इस महीने सैन फ्रांसिस्को में शी चिनफिंग से मिलेंगे जो बाइडन : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस महीने के आखिर में सैन फ्रांसिस्को में 'एपीईसी लीडरशिप' शिखर सम्मेलन से इतर चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग या 'एपीईसी' एशिया-प्रशांत में कारोबार एवं निवेश, आर्थिक विकास एवं क्षेत्रीय सहयोग से संबंधित शीर्ष मंच है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरिन जीन-पियरे ने मंगलवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में सैन फ्रांसिस्को में बाइडन-शी की मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''राष्ट्रपति इस बारे में आशान्वित हैं।'' राष्ट्रपति बाइडन ने 'एपीईसी लीडरशिप' शिखर सम्मेलन के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी आमंत्रित किया है। भारत का प्रतिनिधित्व कैबिनेट स्तर के मंत्री द्वारा किए जाने की संभावना अधिक है। जीन-पियरे ने कहा, ''हम इस बारे में बात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि वह (चीन के) राष्ट्रपति शी के साथ बैठक को लेकर आशान्वित हैं। इसलिए नवंबर में होने वाली इस बैठक के बारे में अधिक विस्तार से कुछ नहीं कहूंगी। यह सैन फ्रांसिस्को में होने वाली है। बैठक काफी सार्थक होने वाली है।''उन्होंने कहा, ''देखिए, मैं यही कहना चाहती हूं कि हमारा लक्ष्य रचनात्मक संवाद करना है। दोनों नेताओं के बीच नवंबर में सैन फ्रांसिस्को में बैठक होगी। जो कुछ भी होगा वह नवंबर में पता चल जाएगा। सैन फ्रांसिस्को में हमारे बीच सार्थक वार्ता होने वाली है।''उन्होंने कहा कि चीन के साथ किस तरह से आगे बढ़ना है, इस बारे में बाइडन प्रशासन की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

'मास्टर शेफ इंडिया' की रसोई में लगेगा एएसएमआर का तड़का

मुंबई/एजेन्सी

कुकिंग-आधारित रियलिटी शो 'मास्टरशेफ इंडिया' का आगामी एपिसोड स्वाद, नवीनता और प्रस्तुति के साथ-साथ ऑटोनॉमस सेंसरी मेरिडियन रिस्पॉन्स (एएसएमआर) का एक नया आयाम जोड़ने के लिए तैयार है। एएसएमआर फीलिंग की अनुभूति है जिसे कई लोग विशिष्ट दृश्य या श्रवण ट्रिगर के जवाब में अनुभव करते हैं। एएसएमआर ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है, लाखों दर्शक भोजन की आवाज़ सहित विभिन्न ट्रिगर्स को देखने और सुनने के लिए तैयार हैं। इस चलन ने अब 'मास्टरशेफ इंडिया' किचन में भी अपनी जगह बना ली है। इस चुनौती में, प्रतियोगी असंख्य भोजन ध्वनियों का पता लगाते हैं, खाना पकाने और प्लेटिंग के कार्य को ध्वनि कला में बदलते हैं। जैसे ही वे जजों के सामने अपने व्यंजन प्रस्तुत करते हैं, उन्हें इसमें शामिल किए गए ध्वनि तत्वों के बारे में भी बताना होगा। इस अभिनव चुनौती के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए, शेफ विकास खन्ना ने कहा, दुनिया बदल रही है, और प्रौद्योगिकी हमारे अनुभवों का अभिन्न अंग बन गई है। एएसएमआर के रूप में हमने भोजन को समझने के तरीके में एक नई परत जोड़ दी है।''

शेफ रणवीर बराड़ ने चुनौती पर प्रकाश डालते हुए कहा, जब हम खाना खाते हैं तो हम अक्सर भोजन की आवाजों को अनदेखा कर देते हैं। हालांकि, ध्वनि अनुभव का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो आनंद और उत्साह पैदा करती है। यह चुनौती भोजन की विविध ध्वनियों के माध्यम से आनंद की खोज करने के बारे में है।

प्रतियोगियों को अपनी रचनाओं में जान डालने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक स्नैप, क्रंच और स्लर्प इस चुनौती में जीवंतता की एक परत जोड़ देगा। 'मास्टरशेफ इंडिया' सोनी लिव पर सोमवार से शुक्रवार तक प्रसारित होता है।

जान्हवी कपूर ने देवरा के गोवा शेड्यूल की शूटिंग पूरी की

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म देवरा के गोवा शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित देवरा: पार्ट 1 में एनटीआर जूनियर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर कपूर की मुख्य भूमिका है।जान्हवी कपूर ने देवरा के गोवा शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है।जान्हवी कपूर ने टीम और सेट को मिस करते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की है। साथ ही अपने किरदार थंगम का भी परिचय दिया, जिसका मतलब सोना होता है। साझा की गई तस्वीर में जाह्नवी पारंपरिक हरे और नीले रंग की साड़ी पहने नजर आ रहे हैं। उनके कैप्शन में लिखा था, सेट, टीम को मिस कर रही हूं और थंगम की भूमिका को अपना रही हूं। देवरा। देवरा का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है, और नंदामुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जिसका पहला भाग 1 05 अप्रैल, 2024 को रिलीज़ होगा।

फिल्म 'स्टोलन' को जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में मिली सराहना

मुंबई/वार्ता

अभिनेता अभिषेक बनर्जी की फिल्म स्टोलन को जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में काफी सराहना मिली है। अभिषेक बनर्जी अभिनीत और गौरव ढींगरा निर्मित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित थ्रिलर 'स्टोलन' को जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में काफी सराहना मिली है।यह फेस्टिवल, मुंबई एकेडमी ऑफ मूविंग इमेज द्वारा आयोजित किया गया था। निर्माता गौरव ढींगरा के साथ निर्देशक करण तेजपाल ने एक संयुक्त बयान में 'स्टोलन' के जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा,वास्तव में अपनी फिल्म को अपने लोगों के साथ साझा करने से बड़ी कोई खुशी नहीं है। हम रोमांचित हैं और हमारी फिल्म को शामिल करने के लिए

जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं। इसे और भी खास बनाने के लिए, 'स्टोलन' मामी फेस्टिवल में हाउसफुल रही, जिसे अविश्वसनीय तालियां मिलीं। उत्साही दर्शकों ने खड़े होकर अभिनंदन किया। यह जबरदस्त प्रतिक्रिया हमारी फिल्म के प्रभाव और हमारी टीम के समर्पण के प्रमाण के रूप में कार्य करती है। स्टोलन करण तेजपाल द्वारा निर्देशित और जंगल बुक स्टूडियो के गौरव ढींगरा द्वारा निर्मित है। इस फिल्म में शुभम और मिया मेल्ज़र भी मुख्य भूमिका में हैं।

रवि तेजा की उपस्थिति मुझे डराती थी : गायत्री भारद्वाज

मुंबई/एजेन्सी

रवि तेजा हाल ही में पैन-इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव से अभिनेत्री गायत्री भारद्वाज ने अपना तेलुगु डेब्यू किया। जहां फिल्म को हर तरफ से अच्छी समीक्षा मिल रही है, वहीं ऑडियंस , इंडस्ट्री और क्रिटिक गायत्री के अभिनय और गांव की लड़की के लुक की प्रशंसा करने से नहीं रुक रहे हैं। जैसा कि वह खुद को मिल रहे प्यार से गदगद है, अभिनेत्री अपने सुपरस्टार सह-कलाकार के बारे में तारीफें करती नहीं थक रही हैं। रवि तेजा के साथ पहली बार काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, गायत्री कहती हैं, अपने करियर में पहली बार, मैं किसी सुपरस्टार के साथ काम कर रही थी। यहां दक्षिण में उनका दबदबा कुछ अलग ही है। वह जब चलते हैं तो अपने साथ एक स्टारडम लेकर चलते हैं। जब भी वह सेट पर होते हैं तो वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं।' अभिनेत्री आगे कहती हैं कि सेट पर उनका दिन कैसा बीतता था,हमारी दिनचर्या यह थी कि वह अंदर आते थे और मेरे पास खड़े हो जाते थे और मुझे अपने डायलॉग बोलने पड़ते थे। उनकी उपस्थिति मुझे डराती थी क्योंकि वह एक लार्जर दैन लाइफ अभिनेता हैं। उनके साथ अभिनय करना मेरे लिए बेहद कठिन था। लेकिन उनकी स्वीकृति मेरे लिए बहुत मायने रखती है। पूर्व मिस इंडिया, गायत्री ने संगीत वीडियो के साथ शोबिज में कदम रखा। वह कॉल और पटोला जैसे गानों में नजर आईं।

'टाइगर 3 के लिए मेरी एक्शन की तैयारी कम से कम दो महीने की थी' : कैटरीना

मुंबई/एजेन्सी

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस, टाइगर फ्रेंचाइजी की कैटरीना कैफ उर्फ जोया, एक ऐसा किरदार है जिसे आदित्य चोपड़ा ने दिखाया है कि वह हर कदम पर एक आदमी के बराबर है। वह एक खतरनाक, बुद्धिमान और क्रूर जासूस है जो कार्रवाई के मामले में किसी से भी बराबरी कर सकती है। कैटरीना ने जोया को अपना बना लिया है और निर्माताओं ने लगातार टाइगर की हर फिल्म में उनके किरदार को एक पायदान ऊपर रखा है। अभिनेत्री को ऐसे अविश्वसनीय स्टंट और हाथों से किए जाने वाले एक्शन सेटों को करने में आनंद आया है जो पहले कभी किसी महिला ने स्क्रीन पर नहीं किया है। टाइगर 3 में, कैटरीना एक्शन के दायरे को और भी आगे बढ़ाएंगी और खुलासा करेंगी कि बड़े-से-बड़े एक्शन दृश्यों को करने से पहले उन्होंने लगभग 60 दिनों तक तैयारी की है!

कैटरीना कहती हैं, टाइगर 3 दिखाती है कि जब अपने परिवार या देश या मानवता को बचाने की बात आती है तो ऐसा कुछ भी नहीं है जो एक महिला नहीं कर सकती। ज़ोया जैसा

किरदार लोगों को यह बताने के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यक है कि लड़कियां पालन-पोषण करने वाली होने के साथ-साथ खतरनाक रक्षक भी हो सकती हैं। ज़ोया मेरे करियर की सबसे पसंदीदा भूमिकाओं में से एक है! वह आगे कहती हैं, मुझे अच्छा लगता है कि कैसे वह अपने धैर्य और साहस से किसी की भी बराबरी कर सकती है।

वह लड़ाई से पीछे नहीं हटती और जब कार्रवाई करने की बात आती है तो वह किसी पुरुष से बेहतर नहीं बल्कि उतनी ही अच्छी हो सकती है! ज़ोया की एक्शन शैली भी अनोखी है और वह कुछ बहुत ही जटिल एक्शन दृश्यों को आसानी से कर सकती है, जैसा कि आप ट्रेलर में देख सकते हैं! ज़ोया का मुकाबला दुश्मनों की सेना से है और वह अकेले ही लड़ती है!

कैटरीना को यह बात बहुत पसंद है कि वाईआरएफ ने हर फिल्म के साथ जोया के किरदार को और अधिक उग्र बना दिया है! वह कहती हैं, मुझे एक शैली के रूप में एक्शन पसंद है और एक जासूस की भूमिका निभाना एक सपने के सच होने जैसा है! मुझे पता था कि यह मेरी विरासत का हिस्सा बनने जा रहा है, इसलिए मैं हमेशा इस फ्रेंचाइजी के लिए अपना 200 प्रतिशत देती हूं। टाइगर की हर फिल्म ने ज़ोया के किरदार को एक पायदान ऊपर ले लिया है, और उसने अधिक संघर्ष किया है, और यह अधिक खूनी रहा है। यह किरदार की यूएसपी है, जो मुझे पसंद है!

कैटरीना आगे कहती हैं, टाइगर 3 के लिए, मेरी एक्शन तैयारी कम से कम दो महीने की थी। हम चाहते थे कि ज़ोया चुस्त दिखे, उसमें अधिक गति हो और अधिक ताकत हो। मुझे वास्तव में कड़ी मेहनत से गुजरना पड़ा और यह निश्चित रूप से मेरे अब तक के करियर का सबसे कठिन प्रशिक्षण था, जब आप जोया ने जिस तरह का एक्शन किया है उसे देखेंगे, तो आपको एहसास होगा कि इस तरह के दृश्यों को पहले किसी महिला द्वारा करने का प्रयास नहीं किया गया होगा। वह आगे कहती हैं, दुनिया की कुछ बेहतरीन एक्शन टीमों द्वारा बनाए गए इन दृश्यों को मैं दर्शकों को बड़े पर्दे पर दिखाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आगम उसे कहते हैं, जो दोषों को घटाएं और गुणों को बढ़ाएं। परमात्मा की वाणी धन्य है। तीनों लोक में उज्जवल है। यह वाणी देवलोक के सुख से भी अमूल्य है। हम देख रहे हैं देवभद्र और यशोभद्र जो संयम पथ पर बढ़ने की आज्ञा मांगते है। अपने माता-पिता से कहते है कि संसार के सुख नश्वर हैं हमें परम सुख को पाना है इसलिए हमें आज्ञा प्रदान कीजिए। हमें दीक्षा लेने दीजिए, यह भोग संसार का सुख क्षण मात्र के लिए हैं और बहुत काल तक दुख का कारण बनता है। आप मुझे संसार का आनंद लेने के लिए कह रहे हैं यह हमेशा हमें स्मरण रखना है कि जन्म मरण सबसे अधिक दुख का कारण है।

दादा-दादी चित्त समाधि शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के तेरापंथ भवन साध्वीश्री लावण्यश्री जी के पावन सानिध्य में तप-जप एवं अध्यात्म की गंगा बह रही है। साध्वीश्री के सान्निध्य में श्रावक समाज की भव्य उपस्थिति में दादा-दादी चित्त समाधि शिविर का आयोजन किया गया। मंगलाचरण रंजू कोठारी द्वारा किया गया। सभा अध्यक्ष उगमराज सांड ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। हेमंत डूंगरवाल ने आज के विषय पर सुंदर मधुर गीतिका का संगान किया। आज के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुधीर कांकरिया थे। जो पैशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है, आपका पूरा परिचय सभा के उपाध्यक्ष श्रीमान एम.जी. बोहरा के द्वारा दिया गया। जिसके उपरांत मुख्य वक्ता ने आज के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा, दादा-दादी हमारे जीवन के अमूल्य रत्न है। उनके साथ वक्त बिताने से हम अपने संस्कृति और परंपराओं को सीखते हैं। वो हमारे जीवन का अमूल्य हिस्सा है। आपने आज के विषय पर सुंदर एंव सार गर्वित वक्तव्य दिया।

साध्वी श्री दर्शितप्रभा जी ने अपने जीवन के अपने पारिवारिक अनुभव को बताया की हम संयुक्त परिवार में कैसे रहते थे, बड़े बुजुर्गों के साथ में रहने से कितना फायदा है। आज के विषय पर सुंदर विवेचना की। इसी क्रम में साध्वी श्री सिद्धांतश्री जी ने आज के विषय पर अपने विचार रखें।

साध्वीश्री लावण्यश्री जी ने कहा की दादा-दादी हमारे लिए एक आदर्श है। जीवन में सफलता और असफलता के किस्से सुनाकर महत्वपूर्ण सिख हमें देते हैं। दादा-दादी सदियों से घर की शान रहे हैं। आज विशेष रूप से दादा-दादी के लिए आयोजित कार्यक्रम में बुजुर्गों के चेहरे पर एक अलग खुशी देखने को मिली, जिसे देखकर हर कोई भाव विभोर हो गया। कार्यक्रम के संयोजक संपतराज चोरडिया के अथक प्रयास से यह दादा-दादी चित्त समाधि शिविर बहुत ही रोचक रहा। आभार ज्ञापन सभा के मंत्री अशोक खतंग द्वारा दिया गया।

सामाजिक नीति नियम व्यक्ति के उत्थान में सहायक होता है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में धर्म प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिकीकरण के नाम पर आज का भारतीय समाज पाश्चात्य प्रभावों से अछूता नहीं रहा हैं। यूरोपीय देशों के समाजों में माँ बाप, महिलाओं एवं बच्चों के दायित्व तथा भारतीय समाज में इनकी परम्परा बिलकुल उलट हैं। मगर पाश्चात्य प्रभाव में हमारा समाज भी इन विकारों से प्रभावित हो रहा हैं। इस रुग्ण मानसिकता के चलते ही भारतीय परिवार का मूल स्वरूप संयुक्त परिवार विघटित हो चूका हैं। वृद्धावस्था में बच्चे माँ बाप को वृद्धाश्रम भेजने लगे है इन्हें केवल सामाजिक विकार ही कह सकते हैं। समाज एक यथार्थ है शाश्वत सत्य है जिसकी छत्रछाया में हम सभी सुरक्षा के भाव की अनुभूति करते हैं। मगर कई बार समाज की मान्यताओं के नाम पर प्राचीन रुढियों तथा रीती रिवाजों को भी थोपा जाना ठीक नहीं हैं।

इस तरह के अप्रासंगिक बंधन में व्यक्ति स्वयं को असहाय पाता है तथा उसका समाज के साथ सीधा टकराव सम्भव हैं। कई बार समाज व्यक्ति के उत्थान में सहायक होता है तो कई बार रीतियों, मूल्यों एवं मान्यताओं के नाम पर बाधक भी बन जाता हैं. वे आगे बोले कि हमें हंस की तरह जीवन जीना चाहिए जहाँ पानी होता है वहां हंस रहते हैं जहाँ जल नहीं होता है वहां हंस नहीं रहते हैं। अतः समाज में रहने का आशय यह है कि हम सामाजिक एवं सभ्य बनकर जीवन जीएं। यदि हमारे समाज अथवा कुछ लोगों में खराबी है तो बहुत से लोगों की तरह उसकी भर्त्सना करके मुँह फेर लेने की बजाय हमें उसे गंभीरता से लेना चाहिए. यदि कोई खराबी है तो हमें इसके समाधान खोजने चाहिए तथा सभ्य समाज के निर्माण की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। हरेक समाज में बुरे लोग होते है ये उस सड़े अंग की तरह होते है यदि समय पर इनका इलाज नहीं किया जाए तो यह सम्पूर्ण शरीर का नाश कर देंगे। इसलिए हमारे समाज की बुराईयों पर इसलिए आँख न मूंदे कि यह हमसे अभी तक दूर है, क्योंकि अगला नम्बर हमारा ही होगा, समाज में जो कुछ हो रहा है जैसे संस्कार व सभ्यता का चलन हैं हम वैसे ही बनेंगे। न केवल यह व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करेगा बल्कि आने वाली नस्लों पर तत्कालीन समाज का प्रभाव पड़ना सुनिश्चित हैं। ये प्रभाव अच्छे पड़े या बुरे यह हमारे विवेक पर निर्भर करता हैं।

साइंस फेस्ट का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विदद्यालय अपनी गुणवत्ता शिक्षा के 50 वर्ष पूर्ण कर चुका है। अपनी स्वर्ण जयंती के मौके पर 'तंत्रज्ञान' साइंस फेस्ट एक इंटर स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 25 स्कूलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन समारोह के मुख्यअतिथि के रूप में टाटा कंसल्टेंसी के वरिष्ठ सलाहकार सुब्रमण्य वाडिवेल, विशिष्ट अतिथि के रूप में पोस्ट ग्रेजुएट और कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग अनुसंधान विभाग, डीजी वैष्णव कॉलेज के एसोसिएट्स प्रो. डॉ. टी वेलमुरुगन उपस्थित थे। अनेक वरिष्ठ कालेजोंके प्रो. निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। प्रतियोगिता में प्रथम तीन को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वरष्ठि प्राचार्य जी. विजयकुमार ने सभी का स्वागत किया। अतिथियों का परिचय दिया। मैनेजिंग ट्रस्टी अशोक केडिया और ट्रस्टी यग मयप्पन ने अतिथियों का सम्मान किया।

शतरंज का एक और जादूगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दस वर्षीय आर श्रीवत्सन जो कि एसवी हाई स्कूल वनग्राम में आयोजित अंडर 10 वर्ग (यू10) इंटर स्कूल स्तरीय शतरंज टूर्नामेंट में शतरंज खेल में प्रथम पुरस्कार ट्रॉफी हासिल करके शानदार जीत हासिल की। प्रथम पुरस्कार विजेता आर. श्रीवत्सन, सेंट जोसेफ एंग्लो इंडियन मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल, वेपेरी में पाचवीं कक्षा का विद्यार्थी है। मात्र 10 वर्ष की आयु वर्ग में विभिन्न स्कूलों के 62 प्रतिभागियों के बीच श्रीवत्सन ने यह ट्रॉफी जीती।आर श्रीवत्सन ने अपने स्कूल के शिक्षकों और माता-पिता की प्रेरणा के कारण इस स्तर पर ट्रॉफी और प्रमाणपत्र जीता।

इंटर स्कूल लेवल शतरंज टूर्नामेंट हाल ही में एसवी हाई स्कूल (सीबीएसई) वनग्राम, चेन्नई द्वारा युवा उम्मीदवारों के बीच खेल और खेल को बढ़ावा देने वाली टीम बीनीज़ एंड रोमपर्स (न्यू बोर्न एसेंशियल) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

दक्षिण रेलवे में सतर्कता जागरूकता सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 30 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह दक्षिण रेलवे अपने सभी कार्यालयों में मना रहाहै। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य अस्तित्व के संबंध में सहभागी और सक्रिय दृष्टिकोण के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों, रेल उपयोगकर्ताओं और आम जनता के बीच सार्वजनिक जागरूकता लाना है।

उत्सव के एक भाग के रूप में, सतर्कता विभाग द्वारा आज, 1 नवंबर को दक्षिण रेलवे मुख्यालय कार्यालय में एक विशेष संगोष्ठी और प्रस्तुति का आयोजन किया गया। जिसमें आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित हुए। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह, अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर और विभिन्न रेलवे विभागों के पीएचओडी ने भाग लिया। सभी छह मंडलों के डीआरएम और फील्ड इकाइयों के मुख्य कार्यशाला प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

महाप्रबंधक आरएन सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन भ्रष्टाचार को रोकने और कार्यस्थल पर नैतिक सिद्धांतों की स्थापना में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। सतर्कता विभाग द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, महाप्रबंधक ने उल्लेख किया कि ड्रोन सर्वेक्षण, गूगल अर्थ प्रो सॉफ्टवेयर, हैंडहेल्ड टर्मिनलों (एचएचटी) तक विशेष पहुंच के माध्यम से कर्मचारियों की निगरानी, माल संचालन सूचना प्रणाली (एफओआईएस) जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग कर और दक्षिणी रेलवे की सतर्कता से यात्री आरक्षण सूचना प्रबंधन उन्नत प्रणाली (झठ्खचएड) से चालू वित्तीय वर्ष में लगभग 10 करोड़ रुपए की आर्थिक हानि को रोका गया है। इस मौके पर जागरूकता संबंधी एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां ताराचंद गलाडा जैन मैट्रिकुलेशन स्कूल, टी.नगर के छात्रों ने खेल के क्षेत्र में स्कूल को गौरवान्वित किया है। तीसरी कक्षा के धर्मेश्वरन और चौथी कक्षा के शिवदीपन ने 22 अक्टूबर को रामनाथपुरम में आयोजित तीसरी राज्य स्तरीय 'सिलम्बम प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम और द्वितीय दोनों पुरस्कार जीते। वहीं आठवीं कक्षा के मास्टर वेदार्थ ने 20 अगस्त को आयोजित 5वीं राज्य स्तरीय इंटर डोजो कराटे चैंपियनशिप में भाग लिया और प्रथम स्थान हासिल किया। अभी हाल ही में 21 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित संयुक्त खेल प्रतियोगिता 'खेल मिलाप' में 23 छात्रों ने विभिन्न पुरस्कार जीते।

फिजियोथेरेपी सेन्टर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन मेडीकल रिलीफ सोसायटी द्वारा संचालित धीरज बाफना फिजियोथेरेपी सेन्टर द्वारा अपनी स्थापना दिवस के 13वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 110 मरीजों की हड्डियों की बीमारी सम्बन्धी जांच व दवा का वितरण किया गया।

डा. वर्धमान धारीवाल व उनकी टीम के द्वारा जांच किया गया। शिविर के लाभार्थी श्रीमती आशा देवी अर्जुन प्रसाद अग्रवाल व दवाओं के लाभार्थी महावीर चन्द संदीप ओस्तवाल परिवार ने दवाएं वितरण की। शिविर का उद्घाटन सी 2 थाना के इन्स्पेक्टर पुष्पराज ने किया। इस अवसर पर सोसायटी के राजकुमार दुगड़, गौतमचन्द नाहर, सुरजमल बाफणा, अजय दुगड़, गौतमचन्द कांकरिया, चन्द्रेश भंडारी व अन्य सदस्यों ने उपस्थित रह कर सेवाएं प्रदान की।

जीवन में कर्मो की लीला बड़ी न्यारी है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जीवन में कर्मो की लीला बड़ी न्यारी है। बुधवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में कहा कि संसार में मानव जीवन अति दुर्लभ है। बड़ी मुश्किल से यह मानव जीवन मिला है। मानव शरीर ही मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। अपनी सोई हुई आत्मा को जगाने पर ही मनुष्य आत्मा पर कर्मों के आवरण को हटाकर अपनी आत्मा का कल्याण करवा सकता है। लेकिन मनुष्य मोह और राग मे संसार के सुख को स्थाई समझकर नश्वर काया को सुख देने के लिए पाप पर पाप करके जीवन के लक्ष्य भूल रहा है। आत्मा का उत्थान तभी हो सकता है जब मनुष्य अपने कर्मो निर्जरा कर लेता है तो वह अपनी आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा पाएगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने श्री मद उत्तराध्ययन सूत्र के सत्तर और अठारवें अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि सच्चा साधक वही है जो संसार में रहकर भी अपनी जीवन के लक्ष्य को ना भूले और भगवान के बताए गए धर्म के मार्ग पर चलेगा तो वह अपनी आत्मा का संसार से उत्थान करवा सकता है।

पुण्यबल के कारण ही व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है : मुनि धन्यप्रभ विजयजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी के शिष्य मुनि धन्यप्रभ विजयजी ने प्रवचन में कहा कि लोभ का कोई अंत नहीं होता। लोभ को दूर करना है तो संतोष गुण को अपनाना जरूरी है। उन्होंने सुख और आनंद में अंतर बताते हुए कहा कि सुख वह है, जो प्रतिबंधात्मक होता है और आनंद वह है जो प्रतिबंधात्मक नहीं होता है, उसमें किसी तरह की कंडीशन नहीं होती है। बहुत से लोगों को सुख में ही आनंद मिलता है क्योंकि पैसा में ही सुख है, वे यह मान लेते हैं। उन्हें यह स्वीकार करना चाहिए कि पैसे में सुख नहीं है। पैसा जब तक रहेगा व्यक्ति का जीवन तनाव से भरा ही होगा। आनंद समाधि देने वाला होता है। समाधि के अनुभव को पाने के पांच तत्व बताए गए हैं पिंडबल, पीठबल, प्रज्ञाबल, पुण्यबल और परमात्मा का पीठबल यानि भगवान की कृपा। पिंडबल यानी शरीर की शक्ति। व्यक्ति के पास निरोगी काया नहीं है, तो वह सुख व आनंद का अनुभव नहीं कर सकता। पीठबल यानी परिवार का सहारा। व्यक्ति को स्वजन की सहायता में तत्पर रहना चाहिए, तभी वह आनंद में रह पाएगा। प्रज्ञाबल यानी बुद्धि का बल। बुद्धि का बल यानी विनय - विवेकयुक्त बुद्धि। बिना विनय की बुद्धि तलवार जैसी होती है और बिना विवेक की बुद्धि सांप जैसी होती है। व्यक्ति के पास पुण्यबल हो तो सब कुछ अच्छा होता है। पुण्यबल के कारण ही व्यक्ति सफलता प्राप्त करता हैं। पूर्वजन्म के पुण्य के कारण ही यह होता है। यदि पुण्य को बढ़ाना है तो जो अनुकूलता मिली है, उसका सदुपयोग करना चाहिए। पुण्य खाते में जमा रहेंगे, तो हर चीज मिल सकती है। जीवन में जो दुःख, अन्याय, अपमान होता है, उन्हें सहन तो स्वयं को ही करना पड़ेगा। भगवान कहते हैं मैं तुझे समाधि दे दूंगा, यदि तुम जीवन की अनुकूलताओं का सदुपयोग करोगे। ये पांच चीजें आपके जीवन में होगी तो ही आनंद प्राप्त कर पाएंगे।

यशवंतपुर तेरापंथ महिलाओं की 'हेल्थ इज वेल्थ' कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यशवंतपुर सभा भवन में तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर के तत्वावधान में 'हेल्थ इज वेल्थ' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मीना दक ने स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी। डॉ सुनीता कुमारी ने सर्वाइकल के कारण और निदान को पीपीटी के माध्यम समझाया। संचालन मे कन्या मंडल से दिव्या दक और रीतु मुथा का सहयोग रहा। सभाध्यक्ष गौतम मुथा, महिला मंडल सहित अतिथियों ने बैनर का अनावरण किया। मुथा ने कहा कि मंडल के इस तरह के प्रयासों से हम अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक बनेंगे।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 300 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक राज्योत्सव पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने जेएमटी ग्लोबल, एल्बिट डायग्नोसिस सेंटर और हनुमान ऑप्टिसिस के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन अश्वथनगर स्थित शिवप्रसाद पार्क में किया गया। अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने बताया कि इस शिविर में करीब 300 लोगों ने नेत्र परीक्षण, रक्तचाप की जांच, ईसीजी, शरीर विश्लेषण, दंत जांच तथा अन्य सामान्य चिकित्सक परामर्श दिया गया। इस मौके पर एल्बिट सेन्टर के सलिल चौधरी ,मनोहर भारद्वाज, जेएमटी के अंबुज मिश्रा, अमरेश झा, हनुमान ऑप्टिसिस के सुरेश, सेवा ब्रिगेड प्रभात मिश्रा, दिलीप मिश्रा, कमल सिंह व माइक्रोलैब के कर्मी उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.